मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 160
सोमवार, 22 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पीएम मोदी ने गुवाहटी में किया 4000 करोड़ रुपए के हाईटेक एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन

असम, 21 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम के गुवाहाटी में लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का भव्य उद्घाटन किया। यह लगभग 4,000 करोड़ की लागत से बना है। यह टर्मिनल देश का पहला ऐसा एयरपोर्ट है, जिसका डिजाइन पूरी तरह से प्रकृति और स्थानीय संस्कृति पर आधारित है। उद्घाटन के साथ ही पीएम मोदी ने असम के पहले मुख्यमंत्री गोपीनाथ बारदोलोई की 80 फीट ऊंची प्रतिमा का भी अनावरण किया।

नया टर्मिनल न केवल सुंदरता में बेमिसाल है, बल्कि यह पूर्वोत्तर भारत की हवाई कनेक्टिविटी को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा विकसित इस प्रोजेक्ट में आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ असम की सांस्कृतिक पहचान का भी समावेश किया गया है।

गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नया टर्मिनल आधुनिकता और परंपरा का एक अनूठा संगम है। लगभग 5,000 करोड़ की कुल लागत से तैयार इस पूरी परियोजना में 4,000 करोड़ नए टर्मिनल के निर्माण पर और 1,000 करोड़ रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल सुविधाओं के लिए खर्च किए गए हैं। इस टर्मिनल की क्षमता इतनी विशाल है कि यहाँ से अब सालाना 1 करोड़ 30 लाख से अधिक यात्री सफर कर सकेंगे।

इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका प्रकृति आधारित डिजाइन है, जो पूरी तरह से बांस और ऑर्किड पैटर्न पर आधारित है, जो असम की समृद्ध जैव विविधता को दर्शाता है। यह नया टर्मिनल भविष्य में दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक 'गेटवे' (प्रवेश द्वार) के रूप में भारत की पहचान को मजबूत करेगा। इसके अलावा, हवाई अड्डा परिसर में असम के पहले मुख्यमंत्री गोपीनाथ बारदोलोई की 80 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा का अनावरण भी किया गया है, जो इस पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का प्रतीक है। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, ₹असम की माटी और यहाँ की माताओं-बहनों का स्नेह मुझे लगातार प्रेरित करता है। आज का यह आधुनिक टर्मिनल इस बात का प्रमाण है कि पूर्वोत्तर अब भारत के विकास का इंजन बन रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस परियोजना को राज्य के लिए ऐतिहासिक बताया, जिसमें राज्य सरकार ने बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 116.2 करोड़ का अतिरिक्त योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विजन के तहत स्वदेशी को मिली नई दिशा: मुख्यमंत्री सैनी

हरियाणा, 21 दिसम्बर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ स्वदेशी को एक नई दिशा मिली है।

सैनी ने कहा कि स्वदेशी भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का मूलमंत्र रहा है और महात्मा गांधी ने इसे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया था। सैनी ने पंचकूला में स्वदेशी महोत्सव-2025 का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के विजन के साथ स्वदेशी को एक नई दिशा मिली है।

सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने स्थानीय कौशल को आधुनिक तकनीक के साथ एकीकृत करें और नौकरी चाहने

वालों के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनें। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया और एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष सब्सिडी जैसी योजनाओं के माध्यम से युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी प्रौद्योगिकी का युवा नेतृत्व वाला विकास न केवल नए उद्यमों को प्रोत्साहित करेगा बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सैनी ने कहा कि स्वदेशी की अवधारणा अब पारंपरिक उत्पादों तक सीमित नहीं है बल्कि इसे अब प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर, रक्षा उपकरण और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वैश्विक मानकों के अनुरूप स्थानीय विनिर्माण को विकसित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की राह पर है।

राजस्थान में दो साल में जनकल्याण और विकास की नींव हुई मजबूत: मुख्यमंत्री शर्मा

भीलवाड़ा, 21 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में जनकल्याण और विकास की ऐसी मजबूत नींव तैयार की है, जिसका लक्ष्य राजस्थान को अग्रणी राज्य बनाना है।

शर्मा, भीलवाड़ा के मांडलगढ़ में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों के कल्याण के साथ राज्य में आधारभूत ढांचे का विकास, औद्योगिक विस्तार और युवाओं को प्राथमिकता से रोजगार पर राज्य सरकार ने प्रतिबद्धता के साथ काम किया है।

शर्मा ने कहा कि सुशासन, सेवा एवं संवेदनशीलता हमारी सरकार की कार्य संस्कृति बन चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि हर नागरिक की समस्या का समाधान समयबद्ध,

पारदर्शी और संवेदनशीलता के साथ हो तथा इसी कड़ी में ग्रामीण और शहरी शिविरों के माध्यम से योजनाओं व सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा, सड़क, बिजली, पानी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व काम किए हैं। उन्होंने कहा कि हम पांच वर्ष के कार्यकाल में चार लाख युवाओं को सरकारी नियुक्तियां के लक्ष्य पर प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं जबकि दो साल में 92 हजार से अधिक पदों पर युवाओं को नियुक्तियां दी गई हैं।

शर्मा ने कहा कि वहीं 1.53 लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन हैं।आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने इस दौरान भीलवाड़ा में 322 करोड़ रुपये से अधिक राशि के 30 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

खादी से आत्मनिर्भरता तक: चौकाघाट में सजी ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में स्वदेशी की चमक, पहले ही दिन 18 लाख की बिक्री

सुरेश गांधी

वाराणसी। शहर के अर्बन हाट, चौकाघाट में सजी खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की जीवंत अर्थव्यवस्था का सशक्त प्रदर्शन है। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी 20 से 29 दिसंबर तक चलेगी, लेकिन इसके शुभारंभ ने ही यह संकेत दे दिया है कि खादी और ग्रामोद्योग अब सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की मजबूत धुरी बन चुके हैं।

प्रदर्शनी का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पूनम मौर्या और महापौर अशोक कुमार तिवारी के कर-कमलों से हुआ। मंच से दिया गया संदेश स्पष्ट था, स्वदेशी अपनाइए, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल दीजिए। खादी की सादगी और ग्रामोद्योग की विविधता आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में थी।

फर्क सिर्फ इतना है कि आज यह आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम बन चुकी है। पहले ही दिन 18 लाख रुपये की बिक्री यह साबित करती है कि आमजन का भरोसा खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों पर लगातार बढ़ रहा है। प्रदर्शनी में खादी वस्त्रों के साथ बनारसी साड़ियां, कश्मीर के शाल, पंजाब की फुलकारी, उत्तराखंड की सदरी, कालीन, हस्तशिल्प, आचार-मुरब्बे और ग्रामीण खाद्य उत्पाद लोगों को अपनी ओर खींच रहे हैं। जिला/परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी वाराणसी यू पी सिंह ने बताया कि कुल 113 स्टालों में 25 स्टाल खादी के एवं शेष 88 स्टाल ग्रामोद्योग के लगे है, जहां ग्रामीण मेहनत, कारीगरी और परंपरा की खुशबू साफ महसूस की जा सकती है। यह प्रदर्शनी सिर्फ खरीदारी का मंच नहीं, बल्कि ग्रामीण उद्यमियों को बाजार से जोड़ने की गंभीर पहल है। जब गांव का उत्पाद शहर के बाजार में सम्मान पाता है, तभी आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत होती है। ऐसे आयोजन न केवल रोजगार बढ़ाते हैं, बल्कि पलायन रोकने और ग्रामीण जीवन को सशक्त बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी यह याद दिलाती है कि विकास की दौड़ में अगर गांव मजबूत हैं, तो देश मजबूत है। स्वदेशी की यह अलख, अगर जन-जन तक पहुंचे, तो खादी केवल कपड़ा नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनकर देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकती है। इस अवसर पर एपी जायसवाल सेवानिवृत निदेशक खादी ग्रामोद्योग आयोग, वीके सिंह सेवानिवृत सहायक निदेशक खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, डीएस पाण्डेय ज्येष्ठ लेखा परीक्षक, राकेश मोहन गुप्ता ज्येष्ठ लेखा परीक्षक, विनोद कुमार सिंह जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जौनपुर, श्रीमती अमिता श्रीवास्तव जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गाजीपुर, गिरजा प्रसाद जिला ग्रामोद्योग अधिकारी चंदौली, अमितेश कुमार सिंह जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मिजार्पुर और दूर दराज से आए हुए उद्यमी एवं वाराणसी की जनता उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में आज मां मुंडेश्वरी म्यूजिक वाराणसी द्वारा स्वागत संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यूपी सिंह ने सभी आगन्तुकों का आभार प्रकट करते हुए कहा, प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ विपणन में सहायता व बिक्री के लिए प्रोत्साहित किया जाना है।

सहकारिता की शक्ति को जमीन पर उतारने वाले डीएम सत्येन्द्र कुमार को योगी ने किया सम्मानित

युवा सहकार सम्मेलन व यूपी कोआपरेटिव एक्स्पो : 2025 का आयोजन

वाराणसी। आज युवा सहकार सम्मेलन एवं युवा सहकार सम्मेलन व यूपी कोआपरेटिव एक्स्पो : 2025 के मंच से सहकारिता के क्षेत्र में एक ऐसी प्रशासनिक यात्रा को सार्वजनिक सम्मान मिला, जिसने यह साबित किया कि यदि इच्छाशक्ति हो तो सरकारी तंत्र भी नवाचार और समावेशी विकास का वाहक बन सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार को उनके सेवाकाल के दौरान वाराणसी, महराजगंज और बाराबंकी में सहकारिता के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जाना, केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि सहकार से समृद्धि की सोच का सम्मान है।

वाराणसी में स्वयं सहायता समूहों को स्थानीय बाजार से जोड़ने,

ग्रामीण उत्पादों को ब्रांडिंग और विपणन का अवसर देने तथा सहकारी संस्थाओं को तकनीक से जोड़ने की पहल ने परंपरागत सहकारिता को नई ऊर्जा दी। महराजगंज जैसे सीमावर्ती और कृषि प्रधान जिले में सहकारी समितियों को किसान हितों के अनुरूप पुनर्जीवित करना, बीज, खाद और ऋण वितरण को पारदर्शी बनाना तथा महिलाओं की सहभागिता बढ़ाना, समावेशी विकास की ठोस मिसाल रहा। वहीं बाराबंकी में सहकारिता को रोजगार सृजन, डेयरी, कृषि-आधारित उद्योग और युवा उद्यमिता से जोड़ने का प्रयोग दूरगामी परिणामों वाला सिद्ध हुआ।

यह सम्मान इस बात का संकेत है कि सहकारिता केवल सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन भर नहीं, बल्कि लोक-भागीदारी और स्थानीय नेतृत्व के जरिए सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बन सकती है। युवा सहकार सम्मेलन का मंच इस संदेश को और मजबूत करता है कि आने वाला समय युवाओं, नवाचार और सहकारी मॉडल का है। आज का यह सम्मान प्रशासनिक सेवा में कार्यरत अधिकारियों के लिए प्रेरणा है कि वे नियमों की परिधि में रहकर भी नए रास्ते खोल सकते हैं। सहकारिता की यह सफलता कथा, उत्तर प्रदेश के विकास मॉडल को और अधिक जनोन्मुख, सहभागी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जम्मू में स्कूल बस पलटी, 35 से अधिक छात्र घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में शनिवार देर शाम पिकनिक से लौटते समय एक बस के पलट जाने से उसमें सवार 35 से अधिक छात्र घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बिशनाह क्षेत्र के रत्नाल के पास रिंग रोड पर हुई और सभी घायल छात्रों की हालत स्थिर बताई जा रही है। बस में प्रागवाल सीमावर्ती क्षेत्र के एक स्कूल से 40 छात्र और 10 शिक्षक सवार थे। उन्होंने बताया कि वे सांबा में दिन भर की पिकनिक के बाद लौट रहे थे, तभी डिवाइडर से टकराने के बाद चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बसपलट गयी।

बेहतर प्रदर्शन से विधानसभा चुनावों में खुलेगी राह!

केंद्रीय सत्ता पर ग्यारह वर्षों से लगातार काबिज भारतीय जनता पार्टी के लिए दक्षिण भारत के चार राज्य प्रश्न प्रदेश रहे हैं। कर्नाटक में उसकी सत्ता आती-जाती रही है। आंध्र प्रदेश में अकेलेदम उसके सांसद और विधायक जीतते भी रहे हैं। तमिलनाडु में डीएमके और अन्नाद्रमुक के साथ दो बार चार सांसद लोकसभा पहुंचाने में भी कामयाब रही। लेकिन उसके लिए सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण केरल रहा है। लेकिन लगता है कि अब दक्षिण के इस दुर्ग में भी अहम सेंध लगाने में राष्ट्रवादी पार्टी कामयाब हो चुकी है। वामपंथ के गढ़ राज्य की राजधानी तिरुअनंतपुरम नगर निगम पर कब्जे के साथ भाजपा ने ना सिर्फ इतिहास रच दिया है, बल्कि खुद की उम्मीदें भी बढ़ा दी हैं।

सुरम्य वादियों और साफ-सफ्फाक समुद्री तटों के साथ हरियाली के चलते केरल को भगवान का अपना देश भी कहा जाता है। इस केरल की 54 प्रतिशत जनसंख्या हिंदू है, जबकि करीब साढ़े फीसद आबादी मुसलमान है। बाकी करीब 19 प्रतिशत ईसाई हैं। भगवान के अपने देश और जनसांख्यिकी आंकड़ों के लिहाज से केरल भारतीय जनता पार्टी के लिए मुफीद भूमि रहा है। लेकिन यहां भारतीय जनता पार्टी अब तक बड़ी करामात नहीं दिखा पाई है। बेशकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यहां काफी सक्रिय रहा है। फिर भी यहां की राजनीति दो ध्रुवीय रही है। एक तरह मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी-सीपीएम की अगुआई वाला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा है तो दूसरी तरफ कांग्रेस की अगुआई वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा। भाजपा यहां तीसरा कोण बनाने की कोशिश अरसे से करती रही है। लेकिन उसे पहली बार सफलता साल 2016 के विधानसभा चुनावों में मिली। तब पार्टी के वरिष्ठ नेता ओ राजगोपाल तिरुअनंतपुरम सीट से चुने गए। तब पार्टी को करीब दस फीसद वोट मिला, लेकिन अगले यानी 2021 के चुनावों में पार्टी को मायूसी हाथ लगी। लेकिन वोट बढ़कर करीब बारह फीसद हो गए। 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी की उम्मीदें जगीं, जब लोकप्रिय मलयाली अभिनेता सुरेश गोपी त्रिशूर सीट से पार्टी के टिकट पर विजयी हुए। गोपी इन दिनों केंद्र सरकार में राज्य मंत्री का दायित्व निभा रहे हैं। बेशक पार्टी को केरल में लोकसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट मिली, लेकिन पार्टी की वोट हिस्सेदारी बढ़कर 16 हो गई। लोकतांत्रिक राजनीति में सोलह प्रतिशत वोट मामूली बात नहीं होती। कह सकते हैं कि इसके बाद ही पार्टी की उम्मीदों को परवान चढ़ना शुरू हुआ।

राज्य में बीजेपी की कमान राजीव चंद्रशेखर के हाथ है। केरल में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के लिए उनकी अगुआई में पार्टी ने जमकर पसीना बहाया। इसका नतीजा राजधानी तिरुअनंतपुरम नगर निगम पर पार्टी का तकरीबन कब्जे के रूप में सामने आया है। तिरुअनंतपुरम नगर निगम में 101 वार्ड हैं, जिनमें से 50 पर पार्टी के पार्षद जीते हैं। पैंतालिस सालों से इस निगम पर जिस वाममोर्चे का कब्जा रहा, उसे महज 29 सीटें मिलीं हैं, जबकि कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे को 19 सीटें मिली हैं। बाकी दो सीटों पर निर्दलीयों ने बाजी मारी है। केरल की राजनीति की जिसे समझ है, उन्हें पता है कि यहां वाममोर्चा और कांग्रेस साथ नहीं आ सकते। ऐसे में निर्दलीयों के समर्थन से बीजेपी का मेयर चुना जाना तकरीबन तय है। पार्टी ने कोझिकोड और कन्नूर जैसे वामपंथी गढ़ों में भी सेंध लगाने में कामयाब हुई है। यहां पार्टी ने क्रमशः 13 और 4 सीटें जीतीं हैं। पिछली बार पलक्कड़ नगर पालिका पर उसका कब्जा हुआ था और उस पर उसने अपना नियंत्रण बरकरार रखा है। साथ ही उसने त्रिपुनिथुरा नगर पालिका को भी वाममोर्चे से छीन लिया है। हालांकि पिछली बार जीती पंडालम नगर पालिका को वाममोर्चा ने उससे छीन लिया है। बीजेपी को इस बार कुल पंद्रह फीसद से ज्यादा मत मिले हैं, जबकि उसके साथी दलों का मत प्रतिशत मिला दिया जाए तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बीस फीसद वोट हासिल हुआ है। राज्य में 941 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें से पिछली पार पार्टी को 19 पर जीत मिली थी, इस बार पार्टी ने इसमें सात सीटें पर बढ़त मिली है।

राज्य में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। विधानसभा चुनावों के ठीक पहले राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों ने पार्टी को भारी जीत भले ही न दिलाई हो, लेकिन उत्साहजनक जरूर हैं। ये नतीजे पार्टी के लिए आने वाले दिनों की सफलताओं की बुनियाद हो सकते हैं। हालांकि कांग्रेस समर्थकों की ओर से तिरुअनंतपुरम की जीत के लिए बीजेपी की बजाय कांग्रेस के नाराज चल रहे सांसद शशि थरूर को दिया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तो इसे शशि थरूर की बीजेपी की कृपा भी बताया जा रहा है। हो सकता है कि शशि थरूर की कांग्रेस नेतृत्व से मायूसी के संदेश ने बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाने की मदद की हो, लेकिन सवाल यह भी उठता है कि आखिर शशि थरूर को मनाने की कोशिश क्यों नहीं हुई। वैसे जीत के चाहे जो भी कारण रहे हों, अंततः सम्मान विजेता का ही होता है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल तो बीजेपी पर तंज भी कस रहे हैं। इस तंज में कांग्रेस की खीझ देखी जा रही है। माना जा रहा है कि बीजेपी की बढ़त से कांग्रेस की चिंता बढ़ रही है। केरल के मौजूदा स्थानीय निकाय चुनाव नतीजों के दो स्पष्ट संकेत हैं। पहला यह है कि नगरीय इलाकों में दबदबा रखने वाले वाममोर्चे के दुर्ग में बीजेपी ने सेंध लगा दी है। दूसरा संदेश यह है कि ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे ने अपना दबदबा बढ़ा दिया है। वैसे भी राज्य के ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस का पहले से ही ज्यादा असर रहा है, जबकि शहरी इलाकों में सीपीएम की अगुआई वाले मोर्चे का। केरल के ग्रामीण और शहरी इलाके को देश के दूसरे हिस्सों की तरह कम पढ़ी-लिखी और पढ़ी-लिखी आबादी के आधार पर नहीं बांट सकते। केरल में शत-प्रतिशत साक्षरता है। इसका मतलब यह है कि वहां ग्रामीण और शहरी आबादी में पढ़ाई को लेकर कोई अंतर नहीं है। फिर भी राजनीतिक समर्थक आधार को लेकर दोनों आबादी की सोच में अंतर रहा है। इसके बुनियादी कारणों में से एक कारण शहरी स्वशासन भी रहा होगा। शहरी आबादी प्रगतिशील सोच वाली रही होगी, लेकिन जिस तरह शहरों में बीजेपी ने सेंध लगाई है, उससे साफ है कि प्रगतिशील सोच वाले वर्ग में उसकी पैठ बढ़ रही है। ऐसे में बीजेपी के विस्तार से बढ़ी चिंता कांग्रेस की बजाय वाममोर्चे को होनी चाहिए। वैसे भी बीजेपी के पूरे विकास को देखें तो जहां समाजवादी विचारधारा वाली पार्टियां रहीं हैं, वहां बीजेपी ने उनके ही आधार वोट बैंक पर कब्जा किया है। मध्य प्रदेश, उड़ीसा, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, हरियाणा जैसे राज्यों में बीजेपी ने समाजवादी आधार वोट बैंक को खत्म कर दिया है। लेकिन इन राज्यों में उसकी बड़ी विरोधी कांग्रेस ही है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि केरल में भी भाजपा के विस्तार की कीमत वाममोर्चे को वजूद हो सकता है।

अगले विधानसभा चुनावों में केरल में भाजपा भले ही बड़ी जीत ना हासिल कर सके, लेकिन वह महत्वपूर्ण उपस्थिति जरूर दर्ज कराएगी। इसका संकेत केरल के लोगों ने स्थानीय निकाय चुनावों में दे दिया है। बीजेपी इस बीच अगर नामदार चेहरे को अपने पाले में खींचने में कामयाब रहती है तो हो सकता है कि नतीजे और भी ज्यादा चौंकाऊ हों। निकाय चुनावों में चौंकाऊ कामयाबी ने भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा दिया है। कार्यकर्ता अगर उत्साह में रहते हैं तो अपने पक्ष में मतदाताओं को मोड़ने की ज्यादा दम लगाकर कोशिश करते हैं। इसका असर मतदान केंद्र पर पहुंचे उन मतदाताओं का मन अपने पक्ष में बदलने में दिखता है, जो आखिरी क्षणों तक किसी खास दल या उम्मीदवार के पक्ष में अपना मन नहीं बना पाए होते हैं। जिन्हें चुनाव विज्ञान की शब्दावली में फ्लोटिंग वोटर कहा जाता है। कई बार ये बदलाव एक सौ अस्सी डिग्री का होता है। 2014 के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में मिली बीजेपी की बड़ी जीत इसका उदाहरण है। तो क्या केरल में बीजेपी भी उसी राह पर चल पड़ी है? इसका जवाब हां में है। विधानसभा चुनावों में नतीजे कैसे होंगे, यह तब देखने की बात होगी।

खामोशी टूटी, खौफ लौटा? गरजते माफिया, कानून व्यवस्था की अग्निपरीक्षा

-सुरेश गांधी

उत्तर प्रदेश, विशेषकर पूर्वांचल, एक बार फिर उसी चौराहे पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां से उसने कुछ वर्ष पहले अपराध, माफिया और बाहुबल की राजनीति को पीछे छोड़ने का दावा किया था। वह इलाका, जहां योगी आदित्यनाथ के पहले कार्यकाल में माफिया और बाहुबली या तो जेलों में सिमट गए थे, या एनकाउंटर के डर से प्रदेश छोड़कर भाग खड़े हुए थे, आज वहीं से नए संकेत सामने आ रहे हैं। फर्क बस इतना है कि अब हाथ में तमंचा नहीं, मोबाइल कैमरा है। अब सड़कों पर गोली नहीं चल रही, बल्कि सोशल मीडिया पर धमकियां चल रही हैं। लेकिन संदेश वही पुराना है, हम जिंदा हैं, ताकत में हैं और डरते नहीं हैं। पंचायत चुनाव नजदीक आते ही यह दुस्साहस महज संयोग नहीं लगता। यह उस पुराने गठजोड़ की आहट है, जिसमें जाति, डर और दबदबे के सहारे लोकतंत्र को बंधक बनाया जाता रहा है।

2017 के बाद प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर जो सबसे बड़ा बदलाव दिखा, वह था, डर का पलड़ा पलटना। पहले जहां आम नागरिक अपराधियों से डरता था, वहीं योगी सरकार के शुरूआती वर्षों में अपराधी पुलिस और कानून से डरने लगे। बड़े माफिया जेल भेजे गए, हजारों करोड़ की अवैध संपत्तियां जब्त हुईं, गैंगस्टर एक्ट, एनएसए और बुलडोजर की कार्रवाई ने अपराध के ढांचे को हिला दिया. पूर्वांचल, जो कभी माफिया संस्कृति का सबसे बड़ा गढ़ माना जाता था, वहां आम चर्चा होने लगी, अब माफिया युग खत्म हो गया। लेकिन 2025 के अंत में, वही पूर्वांचल फिर सवालों के घेरे में है। आज का अपराधी गोली चलाकर नहीं, बल्कि कैमरे के सामने बैठकर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। हत्या, वसूली, गैंगवार, सब कुछ खुलेआम स्वीकार किया जा रहा है, जैसे यह कोई अपराध नहीं, बल्कि उपलब्धि हो। सबसे खतरनाक बात यह है कि इन इंटरव्यू को लेने वाले खुद को पत्रकार या यूट्यूबर कहते हैं। न पीड़ितों के सवाल, न कानून की जवाबदेही, न नैतिक सीमा, बल्कि अपराधियों को नायक की तरह पेश किया जा रहा है। यह न सिर्फ कानून व्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि पत्रकारिता के मूल्यों पर भी सीधा हमला है।

उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव हमेशा से बाहुबलियों के लिए सबसे मुफीद मैदान रहे हैं। कारण साफ हैं, कम सुरक्षा, स्थानीय दबाव, जातीय समीकरण, सीमित प्रशासनिक निगरानी, जैसे ही चुनाव नजदीक आते हैं, वैसे ही पुराने अपराधी अपने नेटवर्क को फिर से सक्रिय करने लगते हैं। आज जो बयान सामने आ रहे हैं, "हम तय करेंगे प्रधान कौन बनेगा", जिला पंचायत की कुर्सी पर वो बैठेगा, जिसे हम चाहेंगे, "हमारी जाति का उम्मीदवार हारेगा नहीं", "जो टकराएगा, गांव में टिक नहीं पाएगा", ये सिर्फ बयान नहीं, लोकतंत्र को दी जा रही खुली धमकियां हैं। बलिया, जो हमेशा से बागी तेवरों के लिए जाना जाता रहा है, वहां हाल के महीनों में ऐसे वीडियो सामने आए हैं जिनमें पुराने आपराधिक चेहरे खुलेआम कहते नजर आते हैं, बलिया में पत्ता भी हमारी मर्जी के बिना नहीं हिलता था। पंचायत चुनाव को लेकर प्रधान तय करने की डींग लोकतंत्र पर सीधा प्रहार है। गाजीपुर में कुछ पूर्व हिस्ट्रीशीटर जेल से छूटते ही सीधे कैमरे के सामने आ गए। पुराने अपराधों की स्वीकारोक्ति और "नेटवर्क आज भी जिंदा है" जैसे बयान इस सवाल को जन्म देते हैं, क्या जेल से बाहर आने के बाद निगरानी पर्याप्त है?

आजमगढ़ का नाम बदला, छवि बदलने की कोशिश हुई, लेकिन अपराध की मानसिकता अब भी जीवित दिख रही है। जाति के नाम पर लामबंदी और चुनावी धमकियां प्रशासन और चुनाव आयोग दोनों के लिए चेतावनी हैं। मऊ में सतह पर शांति है, लेकिन भीतरखाने गतिविधियां तेज हैं। यही वह जिला है जिसने सबसे खौफनाक गैंगवार देखे हैं। सूत्र बताते हैं कि पंचायत चुनाव को लेकर पुराने गैंग फिर से सक्रिय हो रहे हैं। जौनपुर में कुछ आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग खुद को "सत्ताधारी दल के करीब" बताने से नहीं चूक रहे। दावा चाहे झूठा हो, लेकिन इससे कानून का डर कमजोर पड़ता है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र से सटे इलाकों में यदि बाहुबली सक्रियता का दावा करें, तो यह मामूली बात नहीं। यह सीधे संदेश है, हम किसी से नहीं डरते।

इन तमाम बयानों में सबसे चिंताजनक वह है, जिसमें अपराधी खुद को सरकार का "खास" बताते हैं। कुछ माफिया व बाहुबलि अमित शाह के साथ बैठे अपनी फोटो साझा करे है तो कुछ मोहन भागवत तो कुछ योगी आदित्यनाथ के साथ, यह दावा सच हो या झूठ, दोनों ही स्थितियों में खतरनाक है। झूठ है, तो यह जनता में भ्रम पैदा करता है, सच है, तो कानून व्यवस्था पर सीधा हमला है. कानून से ऊपर कोई नहीं, यह संदेश कमजोर पड़ता दिखता है।

पूर्वांचल की राजनीति लंबे समय से जाति और बाहुबल के गठजोड़ से प्रभावित रही है। योगी सरकार ने इस गठजोड़ को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन आज फिर वही भाषा लौटती दिख रही है। जाति के नाम पर डर फैलाना लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ है। कानून व्यवस्था कोई स्थायी उपलब्धि नहीं होती, यह रोज की परीक्षा है। सोशल मीडिया पर अपराध के महिमामंडन को अभिव्यक्ति की आजादी कहकर नजरअंदाज करना भारी भूल होगी। यह अपराध की स्वीकारोक्ति है, डर फैलाने का प्रयास है। पूर्वांचल की जनता ने देखा है कि जब वह कानून के साथ खड़ी होती है, तो बदलाव संभव है। आज भी जरूरत है, डर के बजाय सवाल, चुप्पी के बजाय प्रतिरोध, लोकतंत्र सिर्फ वोट डालने का नाम नहीं, डर के बिना जीने का अधिकार भी है। यह वक्त की सबसे बड़ी कसौटी है. उत्तर प्रदेश, खासकर पूर्वांचल, आज निर्णायक मोड़ पर है। एक तरफ सख्त कानून व्यवस्था से उपजा भरोसा है, दूसरी तरफ अपराधियों का बढ़ता दुस्साहस। यदि आज कैमरे के सामने दी जा रही धमकियों को नजरअंदाज किया गया, तो कल यही धमकियां सड़कों पर खून बनकर बह सकती हैं। लोकतंत्र बंदूक, जाति और कैमरे से नहीं चलता, वह कानून के डर से चलता है। और यही डर अब फिर से साबित करना होगा, बयान से नहीं, कार्रवाई से।

यूपी विशेषकर पूर्वांचल, ने बीते कुछ वर्षों में वह दौर भी देखा है जब माफिया, बाहुबली और अपराधियों के नाम से ही रोंगटे खड़े हो जाते थे। वही अपराधी, जो कभी खुलेआम हत्या, वसूली और रंगदारी को अपनी शान समझते थे, योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में पहली बार कानून के सामने झुके। एनकाउंटर, संपत्ति जब्ती और सख्त प्रशासनिक कार्रवाई ने उन्हें या तो जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया या फिर प्रदेश छोड़ने को मजबूर किया। लेकिन इतिहास गवाह है, अपराधी जब शांत दिखे, तो समझिए वह मौका तलाश रहा है। आज वही माफिया, वही बाहुबली, जो कभी जान बख्श दो की गुहार लगाते थे, अब कैमरे के सामने सीना तानकर पुराने अपराधों की डींगें हांक रहे हैं। यह कोई छिपी हुई बात नहीं रही कि बीते कुछ महीनों में पूर्वांचल के कई जिलों, बलिया, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, वाराणसी देहात और मिर्जापुर से ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पूर्व माफिया, हिस्ट्रीशीटर और उनके गुर्गे खुलेआम यह बताते नजर आते हैं कि उन्होंने किसकी हत्या करवाई, कैसे वसूली की और किस इलाके में उनका खौफ था। विडंबना यह है कि यह सब किसी अंडरग्राउंड मीटिंग में नहीं, बल्कि कैमरे के सामने हो रहा है। यह अपराध की स्वीकारोक्ति मात्र नहीं, बल्कि जनता और शासन दोनों को खुली चुनौती है। कुछ यूट्यूबर और स्वयंभू पत्रकार, टीआरपी, व्यूज और "एक्सक्लूसिव" के नाम पर माफिया को मंच दे रहे हैं। उनसे यह नहीं पूछा जा रहा कि हत्या के पीड़ित परिवार आज कहां हैं? वसूली से उजड़े व्यापारियों की भरपाई किसने की? कानून से डर क्यों नहीं लगता? इसके बजाय सवाल ऐसे होते हैं, "आपका खौफ कितना था?" "आपसे कौन-कौन डरता था?" यह पूछना अपराध नहीं, अपराध का प्रचार है।

पूर्वांचल की स्मृति : खून से सनी सड़कें

पूर्वांचल ने वह दौर देखा है जब, पंचायत चुनाव में बूथ लूटे जाते थे, दिनदहाड़े प्रत्याशियों की हत्या होती थी, गांवों में गैंगवार आम बात थी, आज फिर वही भाषा, वही लहजा और वही धमकियां सुनाई देने लगी हैं। यह संयोग नहीं, बल्कि सिस्टम को परखने की कोशिश है। कानून का भय तभी तक असरदार है, जब तक उसकी निरंतरता बनी रहे। यदि माफिया यह मानने लगे कि चुनावी व्यस्तता में प्रशासन ढीला पड़ेगा, सोशल मीडिया के शोर में कार्रवाई दब जाएगी, तो यह भ्रम जल्द ही दुस्साहस में बदल सकता है। इसका एक ही समाधान है, वो सोशल मीडिया मॉनिटरिंग है. अपराधियों के इंटरव्यू और वीडियो को गंभीर अपराध की श्रेणी में लिया जाए। यूट्यूबर, पत्रकारों की जवाबदेही तय हो. प्रेस कार्ड नहीं, आचरण तय करे पत्रकारिता। यदि अब भी सख्ती नहीं हुई, तो यह कहना गलत नहीं होगा कि खामोशी की यह वापसी, तूफान की आहट है।

संसद सत्र के बाद चाय की तस्वीरों से बदली कांग्रेस की सियासत और उभरी प्रियंका गांधी

स्वदेश कुमार

संसद के शीतकालीन सत्र के समापन के बाद लोकसभा अध्यक्ष की ओर से दी गई चाय की दावत आमतौर पर औपचारिक मानी जाती है, लेकिन इस बार यह आयोजन सियासी चर्चा का केंद्र बन गया। वजह बनीं कांग्रेस की नई सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा। चाय पर हुई इस मुलाकात की तस्वीरों में प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ पहली पंक्ति में बैठी नजर आईं। यही तस्वीरें कांग्रेस के भीतर बदलते समीकरणों और नेतृत्व की नई शैली की कहानी कहने लगीं। राजनीति में कई बार शब्दों से ज्यादा तस्वीरें बोलती हैं और इस मौके पर भी यही हुआ।प्रियंका गांधी का संसद में यह पहला सत्र था, लेकिन उनकी मौजूदगी ने साफ कर दिया कि वे खुद को सिर्फ एक नई सांसद तक सीमित नहीं रखने वाली हैं। जिस जगह आमतौर पर सत्ता पक्ष के शीर्ष नेता और संवैधानिक पदों पर बैठे लोग दिखाई देते हैं, वहां प्रियंका का बैठना एक संकेत के तौर पर देखा गया। चाय के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से उनकी सहज बातचीत ने यह संदेश भी दिया कि वे संवाद से पीछे हटने वाली नेता नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक इस बातचीत में वायनाड से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। एक सांसद के तौर पर अपने क्षेत्र की बात सीधे प्रधानमंत्री तक पहुंचाना उनके सक्रिय रवैये को दशार्ता है।

इस पूरे घटनाक्रम में राहुल गांधी की गैरमौजूदगी भी चर्चा में रही। राहुल गांधी पहले भी कई बार ऐसे अनौपचारिक कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखते रहे हैं। वे आमतौर पर संसद के अंदर तीखे भाषण और आक्रामक विरोध के जरिए अपनी राजनीति करते हैं। इसके उलट प्रियंका गांधी ने चाय की इस मुलाकात को एक अवसर की तरह लिया। कांग्रेस के भीतर यह तुलना अपने आप होने लगी कि पार्टी में दो अलग-अलग राजनीतिक शैलियां अब खुलकर सामने आ रही हैं।प्रियंका गांधी का तरीका संसद के अंदर भी देखने को मिला। उन्होंने अपने पहले ही सत्र में यह स्पष्ट कर दिया कि वे सिर्फ बयानबाजी तक सीमित नहीं रहेंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से उनकी मुलाकात इसी का उदाहरण रही। वायनाड से जुड़े एक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना पर चर्चा के लिए उन्होंने गडकरी से समय मांगा। गडकरी ने भी बिना देर किए उन्हें अपने कार्यालय आने का न्योता दिया। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत सौहार्दपूर्ण रही और इसका संदेश दूर तक गया। विपक्ष में रहते हुए सत्ता पक्ष के वरिष्ठ मंत्री से इस तरह का संवाद आसान नहीं होता, लेकिन प्रियंका की विनम्रता और तैयारी ने यह रास्ता खोल दिया।

कांग्रेस के कई नेताओं का मानना है कि प्रियंका गांधी का यह अंदाज पार्टी के लिए फायदेमंद हो सकता है। वे सुबह तय समय से पहले संसद पहुंचती हैं और सदन की कार्यवाही को गंभीरता से समझने की कोशिश करती हैं। मीडिया में भी उनकी मौजूदगी लगातार बढ़ी है। संसद के गलियारों से लेकर सदन के भीतर तक, हर जगह उनकी सक्रियता पर नजर जा रही है। इससे यह धारणा बनने लगी है कि पार्टी में जिम्मेदारियों का संतुलन धीरे-धीरे बदल सकता है।पार्टी के अंदर एक और बड़ा बदलाव यह दिखा कि जिन नेताओं को लंबे समय से हाशिये पर माना जा रहा था, वे फिर से सक्रिय नजर आने लगे। मनीष तिवारी और शशि थरूर जैसे नेता संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों पर बोलते दिखे। कांग्रेस के भीतर यह माना जा रहा है कि प्रियंका गांधी ने महसूस किया है कि अनुभवी और प्रभावी वक्ताओं को नजरअंदाज करना पार्टी को नुकसान पहुंचाता है। उनकी पहल पर इन नेताओं को आगे लाया गया, जिससे कांग्रेस की आवाज ज्यादा मजबूत और संतुलित दिखने लगी।

प्रियंका गांधी की कार्यशैली में उनकी मां सोनिया गांधी की झलक भी कई नेताओं को दिखाई देती है। सबको साथ लेकर चलने की कोशिश, मतभेदों को शांत तरीके से सुलझाना और संगठन को प्राथमिकता देना उनकी राजनीति का हिस्सा बनता दिख रहा है। कांग्रेस लंबे समय से गुटबाजी और अंदरूनी खींचतान से जूझती रही है। ऐसे में प्रियंका की यह कोशिश पार्टी के लिए राहत की तरह देखी जा रही है। कई वरिष्ठ नेता अब अपनी शिकायतें और सुझाव लेकर सीधे प्रियंका के पास पहुंच रहे हैं, क्योंकि उन्हें वहां सुने जाने का भरोसा मिलता है।भारतीय जनता पार्टी के नजरिये से भी यह बदलाव अहम माना जा रहा है। राहुल गांधी के बयानों पर भाजपा के नेता अक्सर तीखी प्रतिक्रिया देते रहे हैं, लेकिन प्रियंका गांधी को लेकर उनकी भाषा अपेक्षाकृत संयमित रहती है। प्रियंका सवाल पूछती हैं और सरकार को घेरती भी हैं, लेकिन उनका तरीका ऐसा होता है कि जवाब देना जरूरी हो जाता है। यही वजह है कि उन्हें नजरअंदाज करना आसान नहीं है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चाय की इस मुलाकात ने कांग्रेस की राजनीति को एक नया मोड़ दिया है। यह सिर्फ एक तस्वीर नहीं थी, बल्कि एक संकेत था कि पार्टी संवाद और रणनीति की राजनीति की ओर बढ़ना चाहती है। राहुल गांधी पार्टी का वैचारिक चेहरा और बड़े आंदोलनों का नेतृत्व करते रह सकते हैं, जबकि प्रियंका गांधी संगठन और संसद के भीतर रोजमर्रा की राजनीति को संभाल सकती हैं। कांग्रेस के भीतर अब इस तरह की चचाएं खुलकर होने लगी हैं।संसद सत्र के दौरान प्रियंका गांधी की सक्रियता ने यह भी दिखाया कि वे विपक्ष में रहते हुए भी कामकाज के मुद्दों पर सरकार से बात करने में विश्वास रखती हैं। यह राजनीति का वह रूप है जिसमें विरोध के साथ संवाद भी चलता है। चाय पर हुई बातचीत ने इसी राजनीति की झलक दिखाई। जनता के लिए भी यह संदेश गया कि लोकतंत्र में मतभेदों के बावजूद बातचीत संभव है।इस पूरे घटनाक्रम ने कांग्रेस के भविष्य को लेकर नई उम्मीदें और नए सवाल दोनों खड़े कर दिए हैं। क्या पार्टी में दो पावर सेंटर उभर रहे हैं या यह जिम्मेदारियों का स्वाभाविक बंटवारा है, इसका जवाब आने वाला वक्त देगा। लेकिन इतना साफ है कि संसद के उस चाय कप में सिर्फ चाय नहीं थी, बल्कि कांग्रेस की बदलती सियासत की झलक भी थी। प्रियंका गांधी की मौजूदगी ने यह साबित कर दिया कि वे अब सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि सक्रिय राजनीतिक भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की नई सियासी दस्तक, धन्यवाद रैलियों से 2027 की चुनावी बिसात बिछाने की तैयारी

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर करवट लेने को तैयार दिख रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव भले अभी दूर हों, लेकिन प्रदेश की सियासी जमीन पर हलचल तेज हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के साथ-साथ कांग्रेस भी अब खुलकर मैदान में उतरने के संकेत दे रही है। लंबे समय से सत्ता से बाहर चल रही कांग्रेस पार्टी ने इस बार शुरूआती दौर में ही अपनी रणनीति साफ कर दी है। पार्टी ने प्रदेशभर में धन्यवाद रैलियों की योजना बनाकर साफ संकेत दिया है कि वह 2027 के चुनाव को हल्के में लेने के मूड में नहीं है।दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश में एक तरह से संजीवनी साबित हुए। पिछले कई चुनावों से लगातार कमजोर प्रदर्शन झेल रही कांग्रेस ने इस बार 17 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और 6 सीटों पर जीत दर्ज की। इसके अलावा 7 से 8 सीटें ऐसी रहीं, जहां जीत-हार का अंतर बेहद कम रहा। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, कई सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों को दो से तीन प्रतिशत वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। यही वजह है कि पार्टी नेतृत्व मान रहा है कि अगर संगठन को मजबूत किया जाए और जमीनी स्तर पर मेहनत की जाए तो 2027 में तस्वीर बदली जा सकती है।

कांग्रेस की प्रस्तावित धन्यवाद रैलियां इसी सोच का नतीजा हैं। पार्टी उन सभी लोकसभा क्षेत्रों में रैली निकालने की तैयारी कर रही है, जहां उसने 2024 में उम्मीदवार उतारे थे। खास तौर पर रायबरेली और अमेठी जैसी पारंपरिक सीटों के साथ-साथ सहारनपुर, बाराबंकी, सीतापुर और प्रयागराज जैसे क्षेत्रों में बड़े आयोजन की योजना है। इन सीटों पर कांग्रेस ने जीत हासिल की थी और पार्टी इन्हें अपना मजबूत आधार मान रही है। इसके अलावा वाराणसी, देवरिया, बांसगांव, झांसी, कानपुर, अमरोहा, फतेहपुर सीकरी, महराजगंज, मथुरा, गाजियाबाद और बुलंदशहर जैसे क्षेत्रों में भी धन्यवाद रैलियों की तैयारी चल रही है, जहां पार्टी का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा था। पार्टी सूत्रों के अनुसार, खरमास समाप्त होते ही यानी 14 जनवरी के बाद रैलियों का सिलसिला शुरू हो सकता है। पहली रैली 15 जनवरी के आसपास आयोजित किए जाने की संभावना है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के तुरंत बाद ही इस तरह के कार्यक्रम की योजना थी, लेकिन संगठनात्मक कारणों और रणनीतिक मंथन के चलते इसे जनवरी तक टाल दिया गया। अब पार्टी इसे चुनावी अभियान की औपचारिक शुरूआत मान रही है।

इन रैलियों का मकसद केवल धन्यवाद कहना भर नहीं है। कांग्रेस का फोकस लंबे समय से निष्क्रिय पड़े कार्यकताओं को दोबारा सक्रिय करने पर है। पार्टी के आंतरिक आकलन के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे कार्यकर्ता हैं जो संगठन से जुड़े तो हैं, लेकिन बीते वर्षों में उन्हें न तो कोई जिम्मेदारी मिली और न ही कोई स्पष्ट दिशा। धन्यवाद रैलियों के जरिए नेतृत्व सीधे इन कार्यकर्ताओं से संवाद करेगा और उन्हें आगामी चुनावी लड़ाई के लिए तैयार करेगा।2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को प्रदेश में करीब 18 प्रतिशत वोट शेयर मिला, जो 2019 के मुकाबले लगभग दोगुना है। यह आंकड़ा पार्टी के लिए मनोबल बढ़ाने वाला है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यही बढ़ा हुआ वोट प्रतिशत कांग्रेस को 2027 की तैयारी के लिए आत्मविश्वास दे रहा है। पार्टी मान रही है कि अगर यही रुझान विधानसभा चुनाव तक कायम रखा गया तो उसे दो अंकों में सीटें मिल सकती हैं।

कांग्रेस की रणनीति का एक अहम पहलू पंचायत चुनाव भी हैं। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में बिना मजबूत पंचायत स्तर के संगठन के विधानसभा चुनाव जीतना मुश्किल है। यही वजह है कि धन्यवाद रैलियों के साथ-साथ पंचायत चुनाव की तैयारी भी की जा रही है। पार्टी चाहती है कि जिला पंचायत, ब्लॉक प्रमुख और ग्राम पंचायत स्तर पर कांग्रेस की मौजूदगी मजबूत हो, ताकि संगठन की जड़ें गांव तक पहुंच सकें।राजनीतिक विश्लेषक यह भी मानते हैं कि कांग्रेस की यह कवायद समाजवादी पार्टी पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकती है। 2024 में कांग्रेस और सपा के बीच गठबंधन रहा, लेकिन सीट शेयरिंग को लेकर दोनों दलों के बीच खींचतान की खबरें सामने आती रही हैं। कांग्रेस नेतृत्व चाहता है कि 2027 से पहले अपनी सियासी ताकत दिखाकर वह भविष्य के किसी भी गठबंधन में मजबूत स्थिति में रहे।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का इतिहास रहा है, लेकिन बीते साढ़े तीन दशकों से पार्टी सत्ता से दूर है। 1989 के बाद से कांग्रेस प्रदेश में सरकार नहीं बना सकी। ऐसे में 2027 का चुनाव पार्टी के लिए साख का सवाल भी है। धन्यवाद रैलियों के जरिए कांग्रेस यह संदेश देना चाहती है कि वह केवल चुनावी मौसम की पार्टी नहीं है, बल्कि लगातार मैदान में रहकर संघर्ष करने को तैयार है।फिलहाल प्रदेश की राजनीति में भाजपा मजबूत स्थिति में है, जबकि सपा मुख्य विपक्ष की भूमिका में है। बसपा भी अपने संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में कांग्रेस के सामने चुनौती आसान नहीं है। बावजूद इसके, 2024 के नतीजों ने पार्टी को उम्मीद दी है कि अगर सही रणनीति अपनाई जाए तो वह दोबारा प्रदेश की सियासत में प्रासंगिक भूमिका निभा सकती है।आने वाले महीनों में यह साफ हो जाएगा कि कांग्रेस की धन्यवाद रैलियां केवल प्रतीकात्मक आयोजन बनकर रह जाती हैं या फिर वाकई पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती देने में कामयाब होती हैं। इतना तय है कि 2027 की लड़ाई की बुनियाद अब धीरे-धीरे रखी जाने लगी है और कांग्रेस ने इसमें अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की पूरी कोशिश शुरू कर दी है।

नवभारत इंग्लिश माध्यम स्कूल में 95 वें वार्षिकोत्सव पारितोषिक वितरण समारोह में मेधावी छात्रों का किया गया सम्मानित

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के नवभारत इंग्लिश माध्यम स्कूल के 95 वें वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बड़े हर्षोल्लाश के साथ मनाया गया। बतादें कि इस अवसर पर जाने-माने लेखक और विचारक राजीव तांबे ने कहा है कि अभिभावकों को अपने बच्चों को मित्र समझकर उनसे बातचीत करनी चाहिए और उनका भविष्य बनाना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों में जिगर मोदी, गवर्निंग काउंसिल की अध्यक्ष शुभांगिताई घनवटकर, चेयरमैन डा. विवेक जोशी, वाइस-चेयरमैन डा. गणपति हेगड़े, गवर्निंग काउंसिल के मेंबर कांतिलाल जैन, दासभाई पटेल, राहुल जोशी, गीतांजलि आंबवने आदि लोग उपस्थित थे। वहीं मुख्य अतिथि जिगर मोदी ने कहा कि विद्यार्थियों को असफल होने पर भी बिना थके प्रयास जारी रखने पर सफलता निश्चित है। विद्यालय से शिक्षा पूर्ण कर विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने वाले पूर्व विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मान दिया जाता है जिससे विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलती है। डा. विवेक जोशी ने विद्यालय की इस परंपरा को गौरवान्वित किया। इस वार्षिक समारोह में जूनियर केजी से कक्षा 12वीं तक के मेधावी विद्यार्थियों के साथ ही डा. होमी भाभा युवा वैज्ञानिक परीक्षा, राज्य सेवा प्रतियोगी परीक्षा और छात्रवृत्ति परीक्षा जैसे विभिन्न सरकारी व प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्राथमिक विभाग की प्रधानाध्यापिका मानसी राजे और माध्यमिक व जूनियर महाविद्यालय की प्राचार्य किरण वानखेड़े के नेतृत्व में शिक्षण स्टाफ ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किया।

ग्लोबल मैत्री फेस्टिवल 2025 का मुंबई में आयोजन

मुंबई। ग्लोबल मैत्री फेस्टिवल, वर्ष के सबसे प्रतीक्षित आयोजनों में से एक, 27 दिसंबर 2025 को मुंबई के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित होने जा रहा है। 12,000 से अधिक दर्शकों की उपस्थिति वाले इस महोत्सव का आयोजन मैत्रीबोध परिवार द्वारा किया जा रहा है, जिसे भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का पूर्ण समर्थन प्राप्त है। यह इस मोहत्सव का सातवां वार्षिक संस्करण है, जो हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति तथा मैत्री भाव और सेवा भाव जैसे मूलभूत मूल्यों का भव्य प्रदर्शन प्रस्तुत करता है। ग्लोबल मैत्री फेस्टिवल, भारत के गौरव को सजीव रूप में अनुभव करने का सभी के लिए एक आमंत्रण है।

इस वर्ष के मोहत्सव में अनेक प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहेगी, जिनमें श्री अर्जुन मेघवाल, केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री; श्री प्रतापराव जाधव, केंद्रीय आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री; श्री एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल हैं। इसके साथ ही, जैकी श्रॉफ, स्मिता जयकर और काजल अग्रवाल जैसे वरिष्ठ एवं लोकप्रिय कलाकार भी इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे। फेस्टिवल को सांस्कृतिक भागीदार के रूप में मैत्री कल्चरल इकॉनमी समिट का सहयोग प्राप्त है। उनकी सहभागिता के साथ, यह मंच एक विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से भारत की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और समृद्ध विरासत को सशक्त रूप से प्रस्तुत करेगा।

प्रत्येक वर्ष यह महोत्सव भारत की समावेशी भावना और वसुधैव कुटुम्बकम् के शाश्वत संदेश को अभिव्यक्त करता है। मैत्रेय दादाश्रीजी की पावन उपस्थिति और मार्गदर्शन, जो इस उत्सव के विजनरी और मैत्रीबोध परिवार के संस्थापक हैं, इसे गहराई और उद्देश्य प्रदान करता है। एक समाज सुधारक और वैश्विक मानवतावादी के रूप में, वे प्रेम और निःस्वार्थ सेवा के पथ पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

वर्ष 2025 का संस्करण एक भारत हम भारत की थीम पर आधारित है, जो ऐसे समय में एकता और साझा पहचान पर बल देता है जब सामूहिक चेतना का जागरण अत्यंत आवश्यक है। यह संदेश नागरिकों को भिन्नताओं से ऊपर उठकर स्वयं को एक ही परिवार का अंग मानने का आह्वान करता है। इस वर्ष फेस्टिवल चार परिवर्तनकारी पहलों को प्रस्तुत करेगा, जो स्थायी सामाजिक सुधार की दिशा में कार्यरत हैं। ग्रामीण विकास के लिए मैत्री आदर्श ग्राम, मानसिक और भावनात्मक कल्याण हेतु राष्ट्रीय पहल ह्यचिंता मुक्त भारत 2032, युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए युवा परिवर्तन, तथा अखिल विश्व गायत्री परिवार के सहयोग से आयोजित विश्व शांति महायज्ञ, जो वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए समर्पित है इस मोहत्सव का मुख्य आकर्षण मैत्रेय दादाश्रीजी का वार्षिक संबोधन होगा, जिसमें वे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों से उबरने और आने वाले वर्ष को स्पष्टता और आंतरिक शक्ति के साथ जीने हेतु गहन मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करेंगे। ग्लोबल मैत्री फेस्टिवल 2025 जीवन के हर क्षेत्र से जुड़े लोगों को इस सामूहिक उत्सव में सहभागी बनने का आमंत्रण देता है।

कैलिफोर्निया बादाम के साथ क्रिसमस के हर पल को खास बनाएं

मुंबई/पटना। क्रिसमस बस आने ही वाला है, जो अपने साथ एक्साइटमेंट, गर्मजोशी और फेस्टिव माहौल का वादा लेकर आ रहा है। यह मौसम हमें ऐसे फ्लेवर का मजा लेने के लिए प्रेरित करता है जो खुशी देते हैं, साथ ही यादगार पलों को संजोने का मौका भी देते हैं। इस साल, कैलिफोर्निया बादाम की पौष्टिक अच्छाई के साथ अपने हॉलिडे मील और गिफ्ट देने की परंपराओं को और भी खास बनाएं। इनमें 15 जरूरी पोषक तत्व होते हैं, ये खाने में क्रंची लगते हैं, साथ ही दिल की सेहत को बढ़ावा देते हैं, लंबे समय तक एनर्जी देते हैं और भूख को कंट्रोल करने में मदद करते हैं, खासकर ऐसे समय में जब दावतें, मिलन-समारोह और यात्राएं लगातार चलती रहती हैं।

कैलिफोर्निया बादाम की खासियत यह है कि इन्हें कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है, और यही इनकी सबसे बड़ी ताकत है। चाहे इन्हें साबुत खाया जाए, काटकर या कद्दूकस करके, ये हर डिश में टेक्सचर और स्वाद बढ़ाते हैं। मसालेदार फ्रूटकेक और स्वादिष्ट कुकीज से लेकर पारंपरिक भारतीय मिठाइयों और मॉडर्न बेक्ड चीजों तक, बादाम आसानी से फेस्टिव खाने का स्वाद बढ़ा देते हैं। जैसे-जैसे भारत में ज्यादा से ज्यादा परिवार हेल्दी खाने को अपना रहे हैं, कैलिफोर्निया बादाम नाश्ते में भी एक पॉपुलर चीज बनते जा रहे हैं, जो दिसंबर के बिजी दिनों में एक पौष्टिक शुरूआत देते हैं।

पालघर वाहन चालक संघटना ने वाडाखडकोना में वनराई बांध का किया निर्माण

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण के माध्यम से खेती को मजबूती देने और भूजल स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से पालघर जिला परिषद की ओर से वनराई बंधारों के निर्माण का आह्वान किया गया था। इस आह्वान को जिले की विभिन्न सामाजिक व व्यावसायिक संगठनों से सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है।

इस अभियान के तहत बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के संकल्प को साकार करते हुए पालघर वाहन चालक संघटना की ओर से पालघर तहसील की वाडाखडकोना ग्राम पंचायत सीमा में दिनांक 20 दिसंबर 2025 को वनराई बांध का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। डोंगराल क्षेत्रों से बहकर जाने वाले वर्षा जल को रोककर स्थानीय स्तर पर संचित करना, मृदा अपरदन को रोकना तथा किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना–इन उद्देश्यों से कच्चे स्वरूप के वनराई बांध तैयार किये गये हैं। इस जनसहभागिता से भविष्य में बाढ़ और जल संकट जैसी समस्याओं से निपटने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इनमें सरपंच अरुण कामठी,

उपसरपंच मनीषा गोरखना, ग्रामसेवक विराज भोये, सदस्य मंगेश वरठा सहित अन्य ग्राम पंचायत कर्मचारी शामिल थे। साथ ही पालघर जिले के वाहन चालक एवं अर्धशासकीय वाहन चालकों की संयुक्त सहभागिता से यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वाहन चालक संघटना ने बताया कि इस उपक्रम के लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्राम पंचायत) अशोक पाटील तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (महिला एवं बाल कल्याण) व्यंकटराव हुंडेकर के मार्गदर्शन का लाभ मिला। सामाजिक जिम्मेदारी के तहत किये गये इस सराहनीय कार्य से पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के क्षेत्र में पालघर वाहन चालक संघटना ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अंबरनाथ में बीजेपी की तेजश्री करंजुले बनी नगराध्यक्ष

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव के नतीजे काफी चौकाने वाले आये है। शिवसेना बीजेपी के लड़ाई में कांग्रेस ने 12 सीटें मारकर सभी को सोंचने पर मजबूर किया ।अंबरनाथ नगराध्यक्ष पद पर शिवसेना पिछले कई दशकों से विराजमान थी। पहली बार हुवा जब बीजेपी की नगराध्यक्ष पद की उम्मीदवार तेजश्री करंजुले जीत गईं हैं, वहीं पार्षद सीटों पर शिवसेना ने अपना वर्चस्व कायम रखा है। बतादें की अंबरनाथ नगर परिषद के नगराध्यक्ष के लिए हुए सीधे चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने निर्णायक बढ़त हासिल की है। भाजपा की तेजश्री करंजुले पाटिल को कुल 43,224 वोट मिले हैं, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिवसेना की मनीषा वालेकर को 36,732 वोटों से संतोष करना पड़ा है। इस तरह बीजेपी उम्मीदवार 4,492 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। यह चुनाव न केवल स्थानीय सत्ता का संघर्ष था, बल्कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा हुआ था, जिन्होंने इस चुनाव को काफी चुनौतीपूर्ण बना दिया था।

मुंबई में सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स प्रदर्शनी का आयोजन

मुंबई। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन विजय सेल्स, साल 2025 के सबसे रोमांचक टेक इवेंट–आईआईसीएफ कंज्यूमर एक्सपो के साथ वापसी कर रही है। विजय सेल्स द्वारा बीकेसी के एमएमआरडीए ग्राउंड्स पर मुंबई की अब तक की सबसे विशाल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रदर्शनी का आयोजन होने जा रहा है। तकनीक और खुशियों का यह संगम 23 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 5 जनवरी 2026 तक चलेगा। 14 दिनों के इस 'शॉपिंग फेस्टिवल' को 60,000 वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में भव्य तरीके से तैयार किया गया है, जहाँ 100 से अधिक दिग्गज ब्रांड्स अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। इस इवेंट का उद्देश्य ग्राहकों को सिर्फ सामान बेचना नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव देना है जहाँ वे छुट्टियों के खुशनुमा माहौल में एक ही छत के नीचे भविष्य की तकनीक को करीब से देख सकें। यहाँ आने वाले मेहमान नए प्रोडक्ट लॉन्चेस और लाइव टेक डेमो के गवाह बनेंगे। साथ ही, उन्हें एप्पल, सैमसंग, एलजी, सोनी, वनप्लस, बोट, हायर, व्हर्लपूल, आसुस, हिताची, गोदरेज, फिलिप्स और वंडरशेफ जैसे भरोसेमंद ग्लोबल व घरेलू ब्रांड्स पर एक्सक्लूसिव ऑफर्स का लाभ मिलेगा। अत्याधुनिक स्मार्टफोन्स और एआई गैजेट्स से लेकर प्रीमियम होम अप्लायंसेज और स्मार्ट किचन सॉल्यूशंस तक, यहाँ हर किसी के लिए कुछ न कुछ आकर्षक जरूर है। खास बात यह है कि हर बड़े ब्रांड का अपना एक 'एक्सपीरियंस जोन' होगा, जिससे खरीदारों को कोई भी गैजेट खरीदने से पहले उसे खुद चलाकर देखने और तकनीक को बेहतर ढंग से समझने का मौका मिलेगा।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुधाकर मिश्र की दो पुस्तकों का लोकार्पण

भायंदर (उत्तरशक्ति)। डॉ. सुधाकर मिश्र की कविताएं संवेदना और मूल्यपरकता की मिसाल हैं। उक्त उद्गार पूर्व राज्यमंत्री अमरजीत मिश्र ने महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य परिषद द्वारा आयोजित वरिष्ठ कवि सुधाकर मिश्र के काव्य संग्रह 'अटल गीत तथा अन्य रचनाएं 'और 'अज्ञेय के गीत' के लोकार्पण एवं चर्चा सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किये। श्री मिश्र ने कहा कि डॉ. सुधाकर मिश्र की रचनाधर्मिता राष्ट्र प्रेम और मानव मूल्यों से ओतप्रोत है। उनकी लेखनी, समाज के सामान्य जन की व्यथा को शब्द देने के प्रति प्रतिबद्ध है। वे शास्त्रोक्त दृष्टांतों को वर्तमान समय के सापेक्ष प्रस्तुत करते हैं, जिससे समाज की विसंगतियों को दूर करने की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। कार्यक्रम के दौरान अपने संक्षिप्त उद्बोधन डॉ. सुधाकर मिश्र ने कहा कि कविता का लोगों तक पहुंचना, उससे पाठक

जुड़ना तथा कवि द्वारा विषय को स्पष्ट रूप से रखना ही कविता की सार्थकता है। कवि के रचना की शोभा समाज से होती है और कविता की शोभा उसे समझनेवाले से होती है। इसके साथ ही उन्होंने संग्रह की कविता 'हम हिन्दू हैं' का पाठ करते हुए उसके माध्यम से भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व एवं एक सच्चे हिंदू की विशेषताओं का वर्णन किया। प्रस्ताविकी में महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष शीतला प्रसाद दुबे ने कहा कि सुधाकर मिश्र जैसे शब्द- साधकों की साधना को लोक के बीच समादत करने हेतु ऐसे आयोजन की आवश्यकता है। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन दर्शन, नीति आधारित राजनीति और संवेदनशील कविताओं के साथ नारी, प्रकृति, मूल्य, काव्य चिंतन आदि को कविता का विषय बनाकर मिश्र जी ने उत्कृष्ट कार्य किया है। अज्ञेय के गीतात्मक आग्रह के विरोधी स्वर को उनके ही गीतों के संकलन के माध्यम से प्रत्युत्तर देना कवि की स्पष्टवादी सोच को रेखांकित करती है। कवि मिश्र में कविता के प्रति प्रेम पूर्ण रूप से झलकता है उन्होंने अपनी कविता में देश प्रेम एवं एक सच्चे नागरिक होने के मूल्यों को दर्शाया है। पुस्तक विमोचन एवं चर्चा सत्र में एम. डी. कॉलेज के उपप्राचार्य डॉ. उमेशचंद्र शुक्ल, वरिष्ठ भाषाविद डॉ. वीरेंद्र मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार रेणु शर्मा तथा डॉ. माधुरी सिंह ने काव्य संग्रहों 'अटल गीत एवं अन्य रचनायें' तथा 'अज्ञेय के गीत' पर अपने विचार रखें। इस अवसर पर उत्तर भारतीय मोर्चा के जिलाध्यक्ष संतोष दीक्षित, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार राजेश उपाध्याय, पूर्व नगरसेवक मुन्ना सिंह, समाजसेवी एलआर पांडे, शैलेश पांडे, एड.राजकुमार मिश्रा, स्नेहा पांडेय एवं स्थानीय साहित्यकारों, प्राध्यापकों एवं विद्वत समाज की भारी संख्या में उपस्थिति रही। संचालन डॉ. अजीत कुमार राय ने किया।

भिवंडी में मनपा चुनाव के मद्देनजर भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा की कार्यकारिणी का किया गया गठन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा आम चुनाव को मद्देनजर रखते हुये भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा की जंबो कार्यकारिणी का गठन भाजपा मध्यवर्ती जनसंपर्क कार्यालय में किया गया। बतादें कि भिवंडी शहर में उत्तर भारतीय लोग बड़ी संख्या में रहते हैं और उत्तर भारतीय लोगों के मत निर्णायक भूमिका निभाते हैं जिसके लिए भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष मंगेश यादव की अगुआई में भिवंडी जिलाध्यक्ष रवि सावंत के शुभ हाथों नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर राजू चौघुले, जिया लाल गुप्ता, पीडी यादव, दिलीप गुप्ता, प्रतीक हरिया, शीतला प्रसाद मिश्रा आदि भाजपा जिला पदाधिकारी उपस्थित थे। मोर्चा के उपाध्यक्ष पद पर राकेश पाल, नीतीश दुबे, मानिकचंद तिवारी, विजय बहादुर यादव, मंजुलता दुबे, गुड्डी रावत, मनीष मिश्रा और राजेंद्र यादव वहीं महासचिव पद पर रामनारायण सोनी, मनीष यादव, अजय राय, विनोद मौर्या, सचिव पद पर राकेश सोनी, जिलाजीत मौर्या, अभिमन्यु ठाकुर, मनोज यादव, पूनम चौहान, मुकेश चौबे कामगार अघाडी अध्यक्ष, सोशल मीडिया संतोष सोनी,

आईटी सेल गणेश गुप्ता, शंभू गुप्ता आदि लोगों के साथ बडी संख्या में महिलाओं की नियुक्ति के साथ अलग-अलग विभाग अध्यक्षों की नियुक्तियां की गयी। मोर्चा के अध्यक्ष मंगेश यादव ने मनपा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कामतघर, तडाली, फेनेगांव, मानसरोवर, पद्मानगर, नारपोली, नवी बस्ती आदि इलाकों के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सावंत ने विश्वास जताया है कि चुनाव में पार्टी के चुनाव प्रचार और भाजपा उम्मीदवारों को मनपा चुनाव में जरूर फायदा मिलेगा।

खेलो इंडिया खेलो, पाठलाग स्वप्नपूतीर्चा पुस्तक का विमोचन

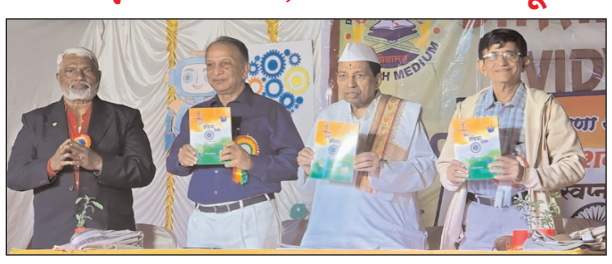

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली के भोईर जिमखाना के संस्थापक मुकुंद भोईर द्वारा लिखित खेलो इंडिया खेलो, पाठलाग स्वप्नपूतीर्चा पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर अरुण नवरे, एड.शिरीष देशपांडे, पवन भोईर आदि मान्यवर उपस्थित थे।

मुकुंद भोईर ने कहा, मुलों को खेलना चाहिए, इसके लिए मैं पिछले 35 वर्षों से मार्गदर्शन कर रहा हूं। अब अगली पीढ़ी को कुछ कहना हो तो मुझे इसे लिखित रूप में रखना जरूरी है। इसलिए यह पुस्तक लिखी है। मेरे बालमित्र अनिल छत्रे ने मुझे प्रोत्साहित किया। इस पुस्तक से खेल के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और अधिक से अधिक खिलाड़ी बनेंगे।

ह.भ.प. बाळकृष्ण महाराज ने कहा, खेल जीवन में महत्वपूर्ण है। खेल से शरीर तंदुरुस्त होता है। इसलिए शालेय जीवन में शारीरिक शिक्षा का अभ्यासक्रम में समावेश किया गया है। लेकिन आज की पीढ़ी खेल से दूर हो रही है। उनके माता-पिता भी उन्हें मैदानी खेल खेलने के लिए नहीं कहते। उलटे उन्हें मोबाइल देते हैं। स्कूल और व्यायाम स्कूल दोनों आपकी परीक्षाएं हैं। उन परीक्षाओं में 100 प्रश्न पूछे जाएं तो उनके उत्तर देने चाहिए। इसके लिए आपका मन मजबूत होना चाहिए और मन मजबूत करने के लिए हम ऐसे कार्यक्रम करते हैं। इस कार्यक्रम से बच्चे कैसे खेलते हैं, पढ़ते हैं यह दूसरों को समझना चाहिए और जो कुछ नहीं कर रहे हैं उन्हें प्रोत्साहन मिलना चाहिए। हमारे पीटी में दिवंगत वाजपेयी सर थे। दसवीं में मैंने स्पेशल सिव्हक्स विषय लिया था। उन्होंने कभी भी लेक्चर मिस नहीं किया और घर पर पढ़ाई नहीं की तो भी कभी फेल नहीं होंगे, ऐसा कहा था। इतनी ताकत उनकी शिक्षण में थी। एड.शिरीष देशपांडे ने संस्थापक मुकुंद भोईर की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक हर अभिभावक और विद्यार्थी को पढ़नी चाहिए।

उत्कृष्ट समाजसेवा हेतु घनश्याम एवं दिनेशचंद्र का हुआ सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक संस्था भारतीय नाई कल्याण विकास सेवा समिति,एम डब्ल्यू ओ उत्तर प्रदेश एवं नंदवंशी सेल्फ केयर ट्रस्ट (एन एस सी टी) के पदाधिकारियों के मुंबई आगमन पर उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य हेतु महानगर के सामाजिक बंधुओं ने भव्य सत्कार एवं सम्मान किया। महानगर में अतिथियों के रूप में अध्यक्ष महापद्मनंद वेलफेयर ऑगेनाइजेशन उत्तर प्रदेश,राष्ट्रीय प्रचारक ठरउळ तथा राष्ट्रीय सेवा रत्न अवार्ड से सम्मानित वरिष्ठ समाजसेवी घनश्याम शर्मा अमेठी,दिनेश चंद्र शर्मा अध्यक्ष भारतीय नई कल्याण विकास सेवा समिति,उदय राज शर्मा सचिव टहड को उत्तर प्रदेश,शिवदयाल शर्मा महासचिव टहड, मुन्ना लाल शर्मा ब्लाक अध्यक्ष एवं संगठन मंत्री टहड, शैलेंद्र शर्मा प्रदेश संरक्षक नई उम्मीद फाउंडेशन एवं ठरउळ संयोजक? वाराणसी विद्यमान थे।उक्त सभी समाजसेवियों का सम्मान एवं सत्कार सामाजिक बंधुओं ने विगत 13 दिसंबर 2025 दादर से लगातार विभिन्न शहरों में किया। अपने नेता का सम्मान 14 दिसंबर को सायन,15 दिसंबर कल्याण,16 अहमदाबाद गुजरात,17 पालघर जिला में वसई,

चनीरीड, मीरारोड, नालासोपारा, भायंदर,मलाड, गोरेगांव,18 कुर्ला,मुलुंड एवं 19 कल्याण शहर में किया गया। समाजिक बंधुओं में कवि,गीतकार एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप,कलेक्टर शर्मा,अशोक शर्मा,संतोष निरंकार शर्मा,हरिकेश नंदवंशी,प्रदीप नंदवंशी, अधिवक्ता अनिल शर्मा,राम मिलन शर्मा,संतोष कुमार शर्मा,मनोज शर्मा, हरिशंकर शर्मा उर्फ मुन्ना,अमरनाथ शर्मा,निलेश शर्मा,राधा शर्मा,श्यामजी शर्मा ,शिक्षाविद रविन्द्र शर्मा,घनश्याम शर्मा,चंद्रभूषण शर्मा,अनिल कुमार मुन्ना लाल शर्मा,सत्य कुमार शर्मा, श्यामजी शर्मा, रोशन शर्मा, अनिल कुमार शर्मा एवं आशीष मुन्ना लाल शर्मा,अवधेश शर्मा, प्रेम कुमार शर्मा, रामजनम शर्मा,सुरेश कुमार शर्मा, राजेश शर्मा,दुर्गेश शर्मा,रामकुमार वर्मा,बाबुल्ले शर्मा,जे पी शर्मा, अनंतलाल शर्मा,कन्हैयालाल शर्मा, राजेश शर्मा उर्फ भगवती प्रसाद, सुनील श्रीवास्तव,एफ सी शर्मा, ओमप्रकाश सविता,कपूरी शर्मा,डॉ प्रहलाद शर्मा,डॉ संतोष शर्मा,डॉ संजय शर्मा, संपादक कदम कदम पर छोटेलाल शर्मा,प्रबंध संपादक कदम कदम पर अनिल शर्मा,गंगेश शर्मा, विक्रांत शर्मा आदि ने अपने नेता का सम्मान किया।समाजसेवियों का मुंबई आगमन पर मुख्य उद्देश्य समाज के जो व्यक्ति गरीबी में जीवन व्यतीत कर रहे हैं उनका सहयोग तथा शिक्षा क्षेत्र से दूर हैं उनका उत्थान कैसे हो एवं एकता,अखंडता एवं सामंजस्य बनाए रखने हेतु सार्थक परिचर्चा हुई।

मैरियट इंटरनेशनल ने भारत में 200 होटलों का पड़ाव हासिल किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मैरियट बॉनवॉय के 30 बेमिसाल ब्रांड्स के परिवार से जुड़े वेस्टिन होटल्स एंड रिजॉर्ट्स ने आज 'द वेस्टिन जयपुर कांट कलवार रिजॉर्ट एंड स्पा' के उद्घाटन का एलान किया। भारत के सबसे लोकप्रिय पर्यटन केंद्रों में से एक में वेस्टिन ब्रांड की यह पहली मौजूदगी, मैरियट इंटरनेशनल के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, क्योंकि यह भारत में उनका 200वां होटल बन गया है।

कंपनी भारत में अपने मेहमानों के अनुभव और पहुंच को लगातार बेहतर बना रही है, जिसका एक बड़ा उदाहरण हाल ही में शुरू की गई हिंदी भाषा की वेबसाइट भी है। अरावली पर्वत श्रृंखला की शांत तलहटी में 9 एकड़ में फैला यह नया रिजॉर्ट, भारतीय बाजार के साथ मैरियट के मजबूत रिश्तों की गवाही देता है। यह नया प्रतिष्ठान वेस्टिन के उस खास हॉस्पिटैलिटी विजन को और विस्तार देता है, जो मेहमानों को ताजगी, सुकून और संतुलन का अनुभव कराने के लिए जाना जाता है।भारत में इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर किरण एंडिकॉट, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (साउथ एशिया), मैरियट इंटरनेशनल ने कहा, ह्यभारत में अपने 200वें होटल का जश्न मनाना मैरियट इंटरनेशनल के लिए एक गौरवशाली क्षण है। यह हमारे ब्रांड्स पर मेहमानों और होटल मालिकों के अटूट भरोसे की जीत है। बीते वर्षों में, भारत में हमारी तरक्की का आधार वे होटल रहे हैं जिन्होंने अपने बेमिसाल डिजाइन, शानदार जायकों और बेहतरीन सेवाओं के जरिए मेहमानों की यात्रा को यादगार बनाया है। यह कामयाबी भारतीय हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लचीलेपन और पर्यटन व बिजनेस, दोनों ही क्षेत्रों में बढ़ती जबरदस्त मांग का सबूत है। हमें अपने ब्रांड्स और अपनी टीमों की काबिलियत पर पूरा यकीन है और हम आने वाले समय में भी नए होटलों के जरिए अपनी विस्तार यात्रा को जारी रखने के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं। भारत में 18 अलग-अलग ब्रांड्स के तहत 200 चालू होटलों और पाइपलाइन में मौजूद लगभग 150 नए प्रोजेक्ट्स के साथ, मैरियट देश में अपनी पकड़ को और मजबूत कर रहा है। यह विस्तार बड़े महानगरों से लेकर उभरते हुए व्यापारिक और पर्यटन केंद्रों तक फैला हुआ है। घरेलू यात्रियों की बढ़ती तादाद, लोगों की बढ़ती आमदनी और पर्यटन के बुनियादी ढांचे में हो रहे निवेश की वजह से, भारत आज भी वैश्विक स्तर पर मैरियट के लिए टॉप-3 प्राथमिकता वाले बाजारों में शुमार है। यह ऐतिहासिक शुरूआत भारत के बदलते हॉस्पिटैलिटी परिदृश्य के प्रति मैरियट के विश्वास को और दृढ़ करती है। लगभग 26 करोड़ ग्लोबल मेंबर्स वाले 'मैरियट बॉनवॉय' ईकोसिस्टम के जरिए, यात्रियों को देशभर में रिवॉर्ड्स और खास अनुभवों की एक बड़ी रेंज तक सीधी पहुँच मिलती है। यह पूरी रफ्तार इस बात को साफ करती है कि कंपनी अपने मेहमानों को ढेरों विकल्प देने, उनके साथ रिश्तों को और गहरा करने और दुनिया के सबसे उभरते ट्रैवल मार्केट में से एक में हॉस्पिटैलिटी के भविष्य को नया आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है। 'द वेस्टिन जयपुर कांट कलवार रिजॉर्ट एंड स्पा' ब्रांड के 'वेलनेस' दर्शन को जीवंत करने के साथ-साथ राजस्थान की समृद्ध कला और संस्कृति को भी खूबसूरती से समेटे हुए है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अज्ञात कारणों से लगी आग में तीन मकान और दुकान जलकर खाक

दमकल की चार गाड़ियों ने मिलकर आग पर पाया काबू

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत गौराबादशाहपुर में रविवार 10:30 बजे हुए एक हादसे में एक दुकान में आग भड़क उठी। जब तक लोग आग पर काबू पाते तब तक आग ने अगल-बगल के दो दुकानों को भी चपेट में ले लिया। गनीमत यह रही की दुकान और मकान एक ही भवन में होने के बावजूद भी सब लोग सुरक्षित बाहर भाग गए तथा किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग में लगभग तीन दुकानों का मिलाकर 40 लाख के आसपास का सामान जलकर नष्ट हुआ है।

गौराबादशाहपुर निवासी विनोद जायसवाल कि अपने मकान में ही किराना का थोक व्यवसाय है। 15 फीट चौड़े तथा 100 फुट लंबे परिसर में उन्होंने पीछे आवास और गोदाम बना रखा था आगे दुकान चलाते थे। अज्ञात कारणों से मकान के पिछले हिस्से में जहां पत्तल इत्यादि स्टोर करके रखा गया था वहां आग लग गई। परिवार के लोगों ने पहले खुद आग पर काबू पाने का प्रयास किया परंतु तब तक आग भंडारण कर कर रखे गए सरसों के तेल, रिफाइंड तेल तथा घी तक पहुंच गई। आग का विकराल रूप देखकर परिवार के लोग पिछले दरवाजे से तथा आगे के लोग आगे से बाहर निकल गए। इसी दौरान आग ने इन्हीं के परिवार के बगल में स्थित दीपू जायसवाल के जनरल स्टोर तथा फैयाज अहमद के रेडीमेड की दुकान को भी चपेट में ले लिया इन दोनों लोगों का भी आगे दुकान तथा पीछे आवास था। स्थानीय लोग आग पर काबू पाने का प्रयास करते रहे परंतु आग की विकरलता देखकर किसी की हिम्मत आगे बढ़ाने की नहीं हुई। सूचना पर 20 मिनट के पश्चात फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची जिसने कुछ हद तक आग पर काबू पाया गया। परंतु फायर ब्रिगेड की गाड़ी का पानी खत्म हो गया तब तक जौनपुर से एक और गाड़ी मार्टिनगंज तहसील आजमगढ़ से भी दो गाड़ियां तथा लालगंज तहसील आजमगढ़ से भी फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर आ गई। लगभग 2 घंटे के पश्चात आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका। घटना में विनोद जायसवाल का सर्वाधिक नुकसान हुआ है। सामान के साथ-साथ घर गृहस्थी का भी सारा सामान बिस्तर चारपाई नकदी जेवर इत्यादि जलकर नष्ट हो चुका है।

इस दौरान भीड़ को काबू करने के लिए थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव मौके पर फोर्स के साथ डटे रहे।

APCR की कानूनी मदद से आजाद जन्नत निशा स्कूल (संभल) मामले में एसडीएम तलब

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के ज़िला संभल में स्थित आजाद जन्नत निशा स्कूल का मामला भूमि विवाद और अवैध ध्वस्तीकरण से जुड़ा है। स्कूल प्रबंधक डॉ. शाहवेज के अनुसार, यह संस्थान 1979 से उनकी परिवार की स्वामित्व वाली भूमि पर चल रहा है।

हालांकि, 2025 की शुरूआत में स्थानीय प्रशासन ने दावा किया कि स्कूल की कुछ हिस्से अवैध अतिक्रमण कर बने हैं। सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम), चंदौसी के नेतृत्व में स्कूल का गेट और कुछ कमरे गिरा दिए गए थे और स्कूल की जमीन पर भू माफियाओं को काबिज करा दिया गया था। प्रशासन ने प्रबंधक पर सड़क के लिए भूमि स्वेच्छा से सौंपने का दबाव डाला और अन्य हिस्सों को भी गिराने की धमकी दी थी।

इसके खिलाफ एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (APCR) की कानूनी मदद से स्कूल प्रबंधक ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की। अधिवक्ता गजाला बानो कादरी और सैय्यद मसीह उद्दीन ने APCR की ओर से पक्ष रखा। सरकारी वकील के आश्वासन पर कोर्ट ने आगे विध्वंस न करने का निर्देश देते हुए याचिका निस्तारित कर दी।

बाद में APCR ने फिर याचिका दायर कर अवैध ध्वस्तीकरण के लिए मुआवजा और भू माफियाओं द्वारा संस्थान की भूमि पर अवैध प्लॉटिंग रोकने की मांग की।

हालिया आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने SDM, तहसील चंदौसी, ज़िला संभल को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसमें स्पष्ट करना होगा कि क्या याचिकाकर्ता को कोई नोटिस जारी किया गया था और क्या कोई कानूनी प्रक्रिया अपनाई गई है? हलफनामा न दाखिल करने पर SDM को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होना पड़ेगा। मामले में अगली सुनवाई 15 जनवरी 2026 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में होगी।

APCR का कहना है कि यह संस्थान छात्राओं की शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण है और मनमानी कार्रवाई से इसका संचालन प्रभावित हो रहा है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान के विरुद्ध इस तरह से की जाने वाली कार्यवाही से न सिर्फ समाज में बुरा संदेश जाता है बल्कि छात्र-छात्राओं पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है।

डॉ.अंजू कन्नौजिया एवं डॉ.श्रीकांत ओहरी के नेतृत्व में लाइव हिस्टेरोस्कोपी वर्कशॉप का ऐतिहासिक आयोजन

जौनपुर में इन्फर्टिलिटी उपचार की नई दिशा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में निःसंतानता (इन्फर्टिलिटी) के आधुनिक उपचार को लेकर पहली बार एक दिवसीय हिस्टेरोस्कोपी वर्कशॉप का सफल और ऐतिहासिक आयोजन किया गया।

इस वर्कशॉप का उद्देश्य न केवल निःसंतान दंपत्तियों को उन्नत एवं सटीक उपचार उपलब्ध कराना था, बल्कि क्षेत्र के स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों को हिस्टेरोस्कोपी तकनीक, उसकी उपयोगिता और नवीनतम प्रगति से व्यावहारिक रूप से अवगत कराना भी था।

इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई मुख्य अतिथि डॉ. श्रीकांत ओहरी ने, जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिस्टेरोस्कोपी जैसी आधुनिक और मिनिमली इनवेसिव तकनीकें इन्फर्टिलिटी उपचार में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं। उन्होंने जौनपुर जैसे शहर में इस स्तर के शैक्षणिक और तकनीकी कार्यक्रम के आयोजन की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

कार्यक्रम में प्रमुख भूमिका में रहीं डॉ. अंजू कन्नौजिया, जिनके नेतृत्व में इस वर्कशॉप का आयोजन किया गया। डॉ. कन्नौजिया ने आईवीएफ और हिस्टेरोस्कोपी का लाइव प्रदर्शन करते हुए गर्भाशय की आंतरिक समस्याओं जैसे पॉलिप, सेप्टम, फाइब्रॉइड और एंडोमेट्रियल असामान्यताओं के निदान एवं उपचार की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि हिस्टेरोस्कोपी एक सुरक्षित, प्रभावी और मिनिमली इनवेसिव तकनीक है, जिसके माध्यम से इन्फर्टिलिटी के कारणों का समय रहते सटीक निदान कर सफल उपचार संभव है। इससे आईवीएफ एवं प्राकृतिक गर्भधारण की सफलता दर में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

वर्कशॉप में सह-आयोजक डॉ. अम्बर खान एवं डॉ. मधु शारदा डॉ.आर के गुप्ता के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों ने सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सुभा सिंह एवं डॉ. शैली निगम ने की, जिन्होंने इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों को चिकित्सा क्षेत्र के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. विनोद कुमार ने प्रभावशाली शब्दों में सभी अतिथियों, विशेषज्ञों एवं प्रतिभागी चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की वर्कशॉप्स न केवल चिकित्सकों के कौशल को बढ़ाती हैं, बल्कि निःसंतान दंपत्तियों के जीवन में आशा की नई किरण भी जगाती हैं। उन्होंने भविष्य में भी जौनपुर में ऐसे उन्नत चिकित्सा एवं शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की प्रतिबद्धता जताई।

विशेषज्ञों ने एक स्वर में आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों से क्षेत्र में इन्फर्टिलिटी उपचार की गुणवत्ता में निरंतर सुधार होगा और अधिक से अधिक दंपत्तियों को माता-पिता बनने का सुख प्राप्त होगा।

इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित चिकित्सकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में डॉ. अविरल, डॉ. शिल्पी सिंह, डॉ. शकुंतला यादव, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. उर्मिला गुप्ता, डॉ. शिखा शुक्ला, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. रेनू, डॉ. लता सिंह, डॉ. पूजा यादव सहित कई स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों ने सक्रिय सहभागिता की।

इसके साथ ही अशोक कुमार, डॉ. सुरेश कुमार, आर. डी. चौधरी एवं डॉ. पंकज कन्नौजिया की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी गरिमामयी बनाया। सभी उपस्थित चिकित्सकों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने वर्कशॉप के शैक्षणिक स्तर, लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा तकनीकी प्रस्तुति की सराहना करते हुए इसे जौनपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

कानपुर ज़िला अस्पताल के भीतर 8 माह की गर्भवती महिला के पेट में लात मारने का आरोप

APCR की एक टीम प्रदेश सहसचिव आभा शुक्ला के नेतृत्व में पीड़िता से मिलने पहुँची

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। पिछले दिनों कानपुर देहात ज़िले में ज़िला अस्पताल के भीतर 8 माह की गर्भवती महिला रुखसार के पेट में लात मारने की गंभीर आरोप लगाया गया है। इस मामले की पड़ताल के लिए APCR की एक टीम प्रदेश सहसचिव आभा शुक्ला के नेतृत्व में पीड़िता से मिलने पहुँची।

पीड़िता रुखसार और उनके पति उस्मान ने टीम को बताया कि ज़िला अस्पताल परिसर में पान-मसाला खाकर थूकने पर 200 रुपये जुमार्ने का प्रावधान बताया जाता है। घटना वाले दिन आरोपी रोहित यादव ने उस्मान पर गुटखा खाकर अस्पताल आने का आरोप लगाते हुए 500 रुपये की मांग की। विरोध करने पर रोहित यादव ने उनके दांत गंदे होने की दलील देकर जबरन पैसे देने का दबाव बनाया। विवाद बढ़ने पर उस्मान ज़िला मजिस्ट्रेट से शिकायत करने की बात कहकर आगे बढ़े, इसी दौरान रोहित यादव ने उन्हें घेरकर गाली-गलौज की और 8 माह की गर्भवती रुखसार के पेट में लात मार दी।

पीड़िता के घर के बाद APCR टीम ज़िला अस्पताल भी पहुँची, जहाँ यह बताया गया कि अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे होने के बावजूद घटना किसी भी कैमरे में रिकॉर्ड नहीं हुई। स्थानीय जानकारी में सामने आया कि आरोपी रोहित यादव अस्पताल परिसर में गुटखा और पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली करता रहा है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस द्वारा बीएनएस की धारा 115(2) एवं 304 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना की जा रही है। अढउफ इस गंभीर मामले में निष्पक्ष जाँच, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई और पीड़िता को न्याय दिलाने की माँग करता है।

एफपीओ एवं एसएचजी के लिए विशेष वर्चुअल प्रशिक्षण सेमिनार सफलतापूर्वक संपन्न

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। तेजस्वी किसान मार्ट द्वारा आज दोपहर 2 बजे आधुनिक अनाज सुखाने की तकनीक एवं मथारू जेडझमोबाइल ड्रायर विषय पर एक विशेष वर्चुअल सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गूगल मीट प्लेटफॉर्म के माध्यम से संपन्न हुआ, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) एवं एसएचजी (स्वयं सहायता समूह) के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। सेमिनार में आधुनिक पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी गई। मथारू जेडझमोबाइल ड्रायर को ट्रैक्टर-संचालित, पूर्णतः पोर्टेबल एवं बिजली रहित (पीटीओ आधारित) तकनीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो धान, मक्का, सोयाबीन सहित विभिन्न फसलों के लिए उपयोगी है। यह तकनीक एफपीओ और एसएचजी के लिए लागत प्रभावी समाधान के रूप में सराही गई। कार्यक्रम में बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तर प्रदेश के एफपीओ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मथारू कंपनी की ओर से गुरिंदर सिंह एवं राघवेंद्र सिंह ने तकनीकी सत्र में विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन हिमांशु चतुर्वेदी ने किया। तेजस्वी किसान मार्ट के संस्थापक इंजीनियर प्रकाश पांडेय ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए तेजस्वी संगठन न्यास एवं तेजस्वी किसान मार्ट की गतिविधियों, उद्देश्यों तथा किसानों के हित में चल रहे नवाचारों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से हिमांशु चतुर्वेदी, राघवेंद्र सिंह, गोपाल यदु, जितेंद्र वर्मा, स्मिता, दिलीप कुमार, मुकेश, हुकम सिंह, शिवबंकी एफपीसीएल, खाती, प्रमोद बिराजदार, वीरेश, कोशी केयर फाउंडेशन, प्रकाश, एनईएम, डायमंड, रुपवारा मारवन फेड, अतुल, रमेश सिंह, एफपीओ बोखरा, ब्रह्मपाल सिंह, गुरिंदर सिंह, शुभम, प्रीति, खेड़ा कुर्सी किसान, अंकुर मिश्रा, जगदीश कुमार, शैलेंद्र दास एवं इसरपुरा एफपीओ सहित अनेक प्रतिनिधियों की सहभागिता उल्लेखनीय रही। यह वर्चुअल सेमिनार एफपीओ एवं एसएचजी के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों की समझ बढ़ाने, पोस्ट-हार्वेस्ट नुकसान कम करने तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सार्थक एवं प्रभावी पहल के रूप में सराहा गया।

कुड़ी बाजार स्थित काली मंदिर में चोरी, घंटा एवं आरती पात्र उठा ले गए चोर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव विकासखंड के कुड़ी गांव के बाजार में काली माता का पुराना मंदिर स्थित है जहां बीती रात चोरों ने धावा बोलकर मंदिर में लगे घंटा,आरती पात्र को उठा ले गए तथा मंदिर में बजने वाले लाउडस्पीकर एवं मशीन का तार तोड़ दिए हैं। दानपात्र को तोड़कर उसमें से भी पैसा निकाल कर ले गए हैं। मंदिर के महंत राजकुमार ने बताया कि रात में हम आरती करने के बाद मंदिर बंद करके घर पहुंचे और सुबह जब मंदिर की आरती करने आए तो यहां पर मंदिर का ताला टूटा हुआ मिला। पुजारी ने कहा कि इसके पहले भी यहां चोरी हो चुकी है। चोरी की जानकारी होते ही ग्रामीण मंदिर पर इकट्ठा हो गए और चोरों को पकड़ने की प्रशासन से गुहार लगाने लगे। भक्तों में आक्रोश देखा जा रहा है। महंत ने डायल 112 पर सूचना दिया। डायल 112 मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है।

हेड मुहर्रिर प्रदीप कुमार सिंह का स्थानांतरण, थाना खेतासराय में सम्मानपूर्वक विदाई

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना परिसर में रविवार को हेड मुहर्रिर प्रदीप कुमार सिंह के गैर जनपद स्थानांतरण पर एक विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि हेड मुहर्रिर प्रदीप कुमार सिंह ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ किया। थाने की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में उनका योगदान सराहनीय रहा है। लइस अवसर पर थाना स्टाफ द्वारा उन्हें पुष्पगुच्छ, माला एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। विदाई के दौरान मौजूद पुलिसकर्मियों ने उनके साथ बिताए अनुभव साझा किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। हेड मुहर्रिर प्रदीप कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेतासराय थाना हमेशा उनकी स्मृतियों में विशेष स्थान रखेगा। समारोह का माहौल भावनात्मक और गरिमामय रहा।

मणिकर्णिका घाट पर अब नहीं होगी लकड़ियों की मनमानी, रेट बोर्ड लगाना हुआ अनिवार्य!

तीन दिन से ज्यादा नहीं रख सकेंगे लकड़ी का स्टॉक, रामलीला कमेटी के पास बनेगा पार्किंग स्टैंडज

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में मोक्ष की नगरी तीर्थ मणिकर्णिका घाट पर फैली अव्यवस्था और गंदगी को नगर निगम ने गंभीरता से लिया है। शनिवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल के निर्देश पर निगम की टीम ने घाट पर सघन अभियान चलाया। इस दौरान न सिर्फ बेतरतीब रखे लकड़ी के ढेरों को हटवाया गया, बल्कि दुकानदारों के लिए कड़े नियम भी लागू किए गए हैं।

सहायक नगर आयुक्त अनिल यादव के नेतृत्व में पहुंची टीम ने घाट की सीढ़ियों पर जमा लकड़ियों को हटवाकर रास्ता साफ कराया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कोई भी दुकानदार तीन दिन से अधिक का स्टॉक घाट पर जमा नहीं करेगा। इसके साथ ही, अब हर दुकान पर एक बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा, जिस पर दुकानदार का नाम, मोबाइल नंबर और लकड़ी की दरें (रेट) साफ-साफ लिखी होंगी। इसका उद्देश्य अंतिम संस्कार के लिए आने वाले परिजनों को किसी भी प्रकार की ठगी से बचाना है।

घाट को अतिक्रमण मुक्त करने के साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस प्रशासन के सहयोग से रामलीला कमेटी के पास जमा मलबे को साफ कराया गया। नगर निगम का उद्देश्य इस खाली स्थान को दोपहिया वाहनों के पार्किंग स्टैंड के रूप में विकसित करना है, जिससे घाट पर आने-जाने वालों को जाम से राहत मिल सके।

शहर से हटेंगे कूड़ा घर, पीसीटीएस तकनीक पर जोरः

'स्वच्छ काशी-सुंदर काशी' अभियान के तहत नगर निगम अब शहर के पारंपरिक कूड़ा घरों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने जा रहा है। इनके स्थान पर आधुनिक पोर्टेबल कॉम्पेक्टर ट्रांसफर सिस्टम (पीसीटीएस) लगाए जाएंगे। इस अभियान में मुख्य रूप से नायब तहसीलदार शेष नाथ, कोतवाली के जोनल अधिकारी मृत्युंजय नारायण, एसीपी अतुल अंजान त्रिपाठी समेत भारी संख्या में पुलिस बल और निगम कर्मी मौजूद रहे।

अवलेशपुरः यहां करीब 10 बिस्वा जमीन पर पीसीटीएस बनाने के लिए प्री-कास्ट बाउंड्रीवाल का काम शुरू कर दिया गया है।

हड़हासरायः नगर निगम ने करीब छह बिस्वा जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। इस जमीन की भी बाउंड्री कराई जा रही है, ताकि भविष्य में इसे पार्किंग के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

जौनपुर पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 13 निरीक्षक व उपनिरीक्षकों के तबादले

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ व प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. कौस्तुभ ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। एसपी के आदेश पर 13 निरीक्षक व उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में तत्काल प्रभाव से बदलाव किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार, प्रभारी निरीक्षक मुंगराबादशाहपुर रहे निरीक्षक जय प्रकाश यादव को बरसठी का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है, जबकि पुलिस अधीक्षक कार्यालय में तैनात जनसंपर्क अधिकारी उपनिरीक्षक मिथिलेश कुमार तिवारी को मुंगराबादशाहपुर का थानाध्यक्ष बनाया गया है।

इसी क्रम में स्वाट टीम के प्रभारी उपनिरीक्षक रामाश्रय राय को खुटहन का थानाध्यक्ष तथा गामा टीम के प्रभारी उपनिरीक्षक तरुण श्रीवास्तव को महराजगंज का थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं बरसठी के प्रभारी निरीक्षक रहे निरीक्षक देवानंद रजक को अपराध शाखा का प्रभारी बनाया गया है।

प्रभारी स्वाट टीम रहे उपनिरीक्षक प्रशांत कुमार सिंह को मीरगंज का थानाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि महराजगंज के थानाध्यक्ष रहे उपनिरीक्षक अमित कुमार पांडेय को स्वाट टीम की कमान सौंपी गई है। इसके अलावा पवारा के थानाध्यक्ष रहे उपनिरीक्षक दिव्य प्रकाश सिंह को गामा टीम का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

एसओजी में तैनात उपनिरीक्षक अनिल कुमार को पवारा थाना अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं मीरगंज के थानाध्यक्ष विनोद कुमार अंचल और चंदन कुमार राय का बाह्य जनपद स्थानांतरण किया गया है।

इसके अतिरिक्त चंदवक थाना क्षेत्र की बरामनपुर चौकी के प्रभारी विनोद कुमार चतुर्वेदी को मछलीशहर थाना क्षेत्र के कस्बा चौकी का प्रभारी बनाया गया है, जबकि मछलीशहर की करबा चौकी के प्रभारी उपनिरीक्षक होरिल यादव को चंदवक के बरामनपुर चौकी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कार्यभार ग्रहण करने एवं अनुपालन आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस प्रशासन के इस कदम को जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शिफा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल
मानीकलॉ, जौनपुर
निःशुल्क मेगा कैम्प
(डायबटीज एवं हड्डी रोग)
23 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार, प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक
Dr. MOHD CHAND BAGWAN
MBBS, DNB (MD)
PDCC-CRITICAL CARE MEDICINE
CCEBDM (DIABETES)
डायबटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
Dr. ABU FAISAL
MBBS, D. Ortho (Lko), DNB (Ortho)
PGDS (Orthopedic) Surgeon
गोल्ड मेडलिस्ट
(हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ)
मो0 नं0 7380850571 पर सम्पर्क कर एक दिन पहले रजिस्ट्रेशन करायें और इस अवसर का लाभ उठाएं।
अन्य ब्लड जाँच पर 50% डिस्काउन्ट
OPD Fee Free
Cholesterol 150/-
HbA1C 700/-
BMD 1500/-
PFT(Asthma) 1500/-
TSH 250/-
Sugar 50/-
Diet Councelling 200/-
Neuropathy 1000/-
Uric Acid 100/-
RA 150/-
TOTAL AMOUNT 5600/- Free
डा0 मोहम्मद अकमल
(डायरेक्टर)
शिफा हास्पिटल, मानीकलॉ, जौनपुर-9451610571

आराजी लाइन ब्लॉक पर दो दिवसीय अनावासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। आराजी लाइन ब्लॉक मुख्यालय पर शुक्रवार को खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र सिंह यादव की उपस्थिति में राष्ट्रीय ग्राम रोजगार अभियान योजना के अंतर्गत उपनिदेशक पंचायत वाराणसी मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय अनावासीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर महेंद्र सिंह पटेल तथा बीडीओ सुरेंद्र सिंह यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षक शैलजा उपाध्याय तथा प्रीति देवी द्वारा ब्लॉक क्षेत्र के चयनित समस्त ग्राम पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायको का 'स्वयं के आय के स्त्रोत' विषय पर चर्चा करते हुए प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सहायक विकास अधिकारी पंचायत सतीश कुमार मौर्य सहित ग्राम सचिव व पंचायत सहायक गण उपस्थित रहे।

बदलापुर तहसील के सभागार में एसआईआर अभियान की प्रगति का औचक निरीक्षण

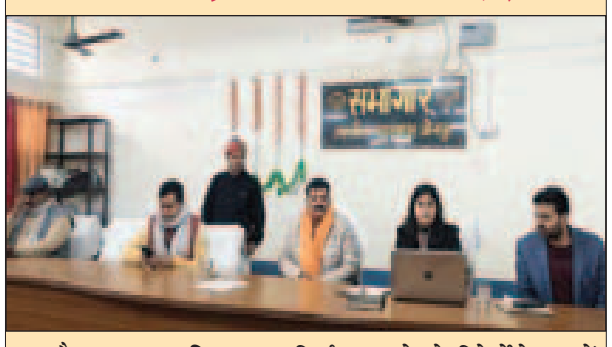

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (रक्फ़) के अंतर्गत आज जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चन्द्र द्वारा नगर मजिस्ट्रेट के कार्यालय तथा तहसील बदलापुर के सभागार में एसआईआर अभियान की प्रगति का औचक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि रविवार के अवकाश के दिन भी आज एसआइआर के तहत डिजिटाइज्ड डाटा के नो मैपिंग डेटा के मैपिंग का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सभी के सामूहिक प्रयास और अथक मेहनत से इस कार्य को गति दी जा रही है। उन्होंने उपस्थित कार्मिकों को अभियान से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए उनके कार्यों का मार्गदर्शन किया गया। जिलाधिकारी ने अभियान में लगे बूथ लेवल ऑफिसर, सुपरवाइजर, लेखपालगण एवं शिक्षकगण से संवाद करते हुए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा उन्हें निरंतर प्रगति बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विशेष रूप से मैपिंग के कार्य को शीघ्र संपादित करने हेतु सभी कार्मिकों को ऊर्जान्वित किया। जिलाधिकारी ने उपस्थित कार्मिकों द्वारा अब तक किए गए गुणवत्तापूर्ण एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्य की सराहना करते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की तथा सभी का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान को समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सकेगा।

शादी शुदा पुत्री हुई गायब तो पिता ने दामाद को दी दूसरी शादी करने की इजाजत

मछलीशहर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अब्दुल मन्नान पुत्र सिराजुल हक निवासी-जयरामपुर पोस्ट दुगार्गंज, थाना व तहसील-रानीगंज, जिला-प्रतापगढ़ के रहने वाले ने अपनी पुत्री सलमा बानो उम्र लगभग 20 का विवाह 2 वर्ष पहले मोहम्मद असलम पुत्र अब्दुल सत्तार निवासी मोहल्ला कजियाना थाना व तहसील मछलीशहर जिला-जौनपुर के लड़के शाहरूख के साथ किया परन्तु इनकी लड़की ससुराल पक्ष को बगैर बताये घर से कही निकल गई इनके द्वारा एवं इनकी पुत्री के ससुराल पक्ष द्वारा बहुत खोजबीन एवं नात रिश्तेदार के यहाँ पता लगाया गया परन्तु कुछ पता नहीं चला जब इनकी पुत्री का कहीं से कोई सुराख नहीं मिला तो इनकी सहमति एवं ससुराल पक्ष के द्वारा थाना-मछलीशहर मे गुम सुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दिया गया इनकी लडकी का गुमशुदगी दर्ज होने के बाद भी कुछ पता नहीं चल रहा है। पुत्री के पिता ने एक इकरारनामा लिखा है जिसमें उसने लिखा है कि उनके दामाद कहीं अन्य जगह शादी कर सकते हैं अपने जीवन निर्वाह के लिए उनकी लड़की के मिल जाने के बाद भी वह उनसे किसी भी प्रकार का कोई सवाल नहीं करेंगे और ना ही उनकी शादीशुदा जीवन में किसी प्रकार का कोई दखल देंगे।

टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने किया लघु फिल्म का निर्माण

पटना । महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिन के अवसर पर राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा एक लघु फिल्म का निर्माण किया गया। इस फिल्म के निमार्ता एवं निर्देशक अनुपम मंगलम, लेखक गजानन महतपुरकर, सह-निमार्ता राजीव भार्गव तथा एंकर यश मंगलम हैं।

फिल्म के प्रीमियर शो का उद्घाटन प्रोफेसर अरविंद रंजन दास द्वारा किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका एवं लायंस क्लब पटना संस्कृति की अध्यक्ष शिवानी भार्गव,डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रदीप खेतान लायन रचना खेतान सचिव लायन रोहित शंकर, डॉ. लायन रवि भार्गव, बिहार स्टेट पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन अशोक मेहता सहित राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी योगेश गुप्ता, समाजसेवी नीरज गुप्ता, जाने-माने बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. चिरंजीव दुबे , लायन सोनिया, ऋषिकेश एवं श्रीमती ऋषिकेश अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। यह लघु फिल्म टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा अभिनीत की गई। कक्षा आठ के विद्यार्थियों में शिवम राज, आशमित कुमार, शुभम कुमार, नीतू राज नंदनी, अनुष्का कुमारी, आद्या कुमारी, आर्या कुमारी, एकरा हसन एवं अनाम अहमद ने सहभागिता निभाई। वहीं कक्षा नौ के विद्यार्थियों में आरुष पांडे एवं हर्ष राज शामिल रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कला मंगलम तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर अरविंद रंजन दास उपस्थित रहे।

चारा डालने के विवाद में बेटे ने की पिता की हत्या

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। बारा थाना क्षेत्र के सीधीकट गांव में बेटे की पिटाई से घायल पिता की अस्पताल में मौत हो गई। शनिवार की रात में मवेशियों को चार डालने को लेकर पिता-पुत्र में विवाद हो गया था। बेटे ने लाठी से पिता के सिर पर वार कर दिया। परिजनों ने उपचार के लिए एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां रविवार को मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। परिजनों की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव के अनुसार बारा थाना क्षेत्र के पंडित का पूरा सीधीकट गांव निवासी राम बहादुर (65) का शनिवार देर शाम बेटे रामबाबू से पशुओं का चारा डालने के लिए विवाद हो गया। इसी दौरान बेटे रामबाबू ने घर में रखी लाठी से पिता के सिर में प्रहार कर दिया। लाठी के प्रहार से बुजुर्ग पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल हालत में बुजुर्ग को परिवार के लोगों ने स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मैट्रिक के सफल बच्चों को मिली छात्रवृत्ति

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सीवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय के सिहौता बंगरा हाई स्कूल परिसर में शनिवार को स्वतंत्रता सेनानी मुंशी सिंह की अध्यक्षता में बाबू रघुनाथ सिंह स्मृति मेमोरियल छात्रवृति समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन आयोजन समिति के प्रो डॉ जनार्दन सिंह, पूर्व आईएएस अधिकारी मिथिलेश कुमार सिंह, पूर्व डीआरएम परमानंद सिंह, पूर्व शिक्षिका डॉ प्रतिभा सिंह, सरपंच नागेंद्र किशोर सिंह, प्रो जगदीश तिवारी व हेड मास्टर संजीत कुमार उपाध्याय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत बाबू रघुनाथ सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में मैट्रिक की परीक्षा में सफल सोनू कुमार, दीपांजलि कुमारी, रवीश कुमार, अनीशा कुमारी, आकाश कुमार, अवनीश कुमार राय, पुजा कुमारी, नंदिनी कुमारी, पवन पासवान व सुहानी कुमारी सहित अन्य छात्रों को छात्रवृत्ति व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि प्रतिभा का सम्मान होना चाहिए। इससे छात्रों में सकारात्मकता बढ़ती है। साथ ही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। वक्ताओं ने बच्चों को उत्साहित करते हुए कहा कि पढ़ाई से लेकर खेल तक हर क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। केवल उन्हें सही दिशा देने की जरूरत है। पहाड़ से गिरते हुए पानी को सही दिशा मिल जाए तो वह समंदर तक पहुंच जाता है। कहा कि बच्चों को लक्ष्य निर्धारित करना है। उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर एकाग्रता के साथ समर्पित होकर पढ़ाई करनी है। लक्ष्य हासिल करने के लिए यह जरूरी नहीं है कि हर कोई कोटा जाए। बड़ी संख्या में बच्चे अपने शहर में रहकर पढ़ाई कर सफल हो रहे हैं। इस मौके पर अतिथियों ने सभी मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम पांडेय ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन हेडमास्टर संजीत कुमार उपाध्याय ने किया। मौके पर हेडमास्टर संगीता कुमारी, हृदयानाथ ओझा, रामनिवास सिंह, हरेंद्र बैठा, अनूप कुमार गुप्ता उपस्थित थे।

बरसठी थाना प्रभारी देवानंद रजक का स्थानांतरण, पुलिस स्टाफ और क्षेत्रीय जनता ने दी भावुक विदाई

-दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बरसठी थाने में तैनात थाना प्रभारी देवानंद रजक का स्थानांतरण हो गया है। रविवार को थाने परिसर में आयोजित विदाई समारोह के दौरान पुलिस स्टाफ के साथ-साथ क्षेत्रीय जनता भी भावुक दिखाई दी।

थाना प्रभारी देवानंद रजक ने बरसठी थाने में मात्र तीन माह का कार्यकाल पूरा किया, लेकिन इस अल्प अवधि में उन्होंने अपनी सशक्त कार्यशैली, अनुशासनप्रियता और मानवीय व्यवहार के चलते क्षेत्र में अलग पहचान बना ली।

कानून-व्यवस्था को लेकर उनकी सक्रियता और आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनने की कार्यप्रणाली की लोगों ने सराहना की। विदाई समारोह के दौरान पुलिसकर्मियों ने उनके साथ कार्य करने के अनुभव साझा किए और कहा कि रजक के नेतृत्व में थाने का माहौल अनुशासित और जनहितैषी रहा। वहीं, क्षेत्रीय लोगों ने कहा कि ऐसे अधिकारियों का स्थानांतरण होना स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन उनका व्यवहार और कार्यशैली लंबे समय तक याद की जाएगी। अपने संबोधन में देवानंद रजक ने पुलिस स्टाफ और जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बरसठी क्षेत्र से उन्हें हमेशा सहयोग और सम्मान मिला। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय ही अपराध नियंत्रण की सबसे बड़ी ताकत है। समारोह के अंत में सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी।

जौनपुर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खिलाफ जन जागरण अभियान तेज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मकर संक्रांति से पहले पतंगबाजी की खुशी को मौत के जाल में बदल देने वाले प्रतिबंधित चाइनीज/ नायलॉन/ सिंथेटिक मांझे व तात के धागे के खिलाफ जौनपुर में जन आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 2017 के सख्त आदेश के बावजूद बाजारों में धड़ल्ले से बिक रहे इस घातक धागे के विरुद्ध कीलर मांझा प्रतिबंध अभियान समिति के नेतृत्व में आज रविवार को भी शहर में नेतृत्वकर्ता विकास तिवारी के नेतृत्व में वृहद स्तर पर पोस्टर अभियान चलाया गया। भारी संख्या में नागरिकों ने स्वेच्छा से इसमें भाग लिया और शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों, सड़कों तथा सार्वजनिक स्थानों पर सैकड़ों पोस्टर चिपकाए गए। समिति के संयोजक अधिवक्ता विकास तिवारी व अतुल सिंह, सुधांशु सिंह, दिव्यप्रकाश सिंह, अंकित यादव एवं

कीलर मांझा प्रतिबंध अभियान समिति के बैनर तले चला दूसरे दिन भी पोस्टर अभियान सैकड़ों नागरिकों ने लिया हिस्सा

अन्य साथियों ने अभियान को विस्तार देते हुए कहा कि प्रशासन को जगाने और समाज मे जागरूकता लाने के लिए हम यह पोस्टर अभियान चला रहें हैं।

प्रशासन की पतंग उड़ानें वाले प्रतिबंधित धागा के विरुद्ध कार्यवाही दिखनी शुरू हुई है। जनपद मे भारी स्तर पर पतंग उड़ानें मे प्रयुक्त होने वाला प्रतिबंधित धागा बरामद कर विक्रय और भंडारण करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही हुई है लेकिन अभी और कठोरता से कार्यवाही करने की आवश्यकता है। हमारे द्वारा पूर्व में प्रशासन को कई बार-बार ज्ञापन देने के बावजूद जब कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब हम स्वयं जनता को जगाने के लिए पोस्टर हाथों में लिए सड़कों पर निकल पड़े है। रविवार होने के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे, यह अभियान की सफलता और जनता के आक्रोश को दशार्ता है।

पोस्टर अभियान मे जुटे सब लोग एक स्वर मे अपील करते रहे कि प्रतिबंधित मांझा न बेचें, न खरीदें, न उपयोग करें। केवल सुरक्षित सूती धागा अपनाएं। उल्लंघन पर 5 वर्ष की कैद और 1 लाख रुपये जुमार्ने का प्रावधान है। समिति ने खूनी डोर का उपयोग करने वालों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि पतंग उड़ानें के लिए सिर्फ काटन के धागे का ही उपयोग किया जा सकता है। उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से विकेश उपाध्याय, पूर्व प्रमुख मेवा यादव, विशाल सिंह हुकुम, रूद्रेश त्रिपाठी, भीम सोनकर, राजकुमार प्रजापति, सोनू रजक, अंकित यादव, निर्भय, अली नवाज, रंजीत यादव, देवेश मौर्य, नीरज, चन्द्रेश यादव, विराज ठाकुर, आदि उपस्थित रहे।

विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी में छात्र–छात्राओं ने बिखेरी प्रतिभा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के मियांपुर में स्थित सूर्यबली सिंह पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन हुआ जहां बच्चों ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों, प्रयोगों एवं नवाचारों का प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा को लोगों के समक्ष बिखेर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोल्डी गुप्ता आईपीएस एवं विशिष्ट अतिथि सुनील भारती उपजिलाधिकारी रहे जिन्होंने बच्चों के प्रयासों की जमकर सराहना किया। मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित करके हुये कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये अतिथिद्वय ने कहा कि इस प्रकार की विज्ञान प्रदर्शनियां बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करती है। साथ ही नवाचार के लिये प्रेरित भी करती है। वहीं विद्यालय प्रबन्ध समिति सहित अध्यापकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षकों ने किया। इस अवसर पर संस्थापक/प्रबन्धक प्रो. एस.पी. सिंह, सचिव विजेन्द्र सिंह, कोषाध्यक्ष मनीषा सिंह, निदेशक कुशाग्र सिंह, तनु सिंह, शिवम् सिंह सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। अन्त में प्रधानाचार्य डा. ममता सिंह ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सनातन मूल्यों और गीता के संदेश से समाज को दिशा जौनपुर में दो स्थानों पर बौद्धिक संवाद कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में सनातन धर्म पर आधारित बौद्धिक संवाद एवं श्रीमद्भगवद्गीता कार्यक्रम का आयोजन दो अलग-अलग स्थानों पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम का पहला आयोजन ग्राम अमारी में हुआ, जबकि दूसरा आयोजन सामर्थ राजाराम दिव्यांग बालिका विद्यालय, घनश्यामपुर (बदलापुर) में विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर किया गया। दोनों आयोजनों का उद्देश्य सनातन संस्कृति के मूल्यों का प्रसार, नैतिक संस्कारों की स्थापना और सामाजिक सेवा को प्रोत्साहन देना रहा। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से अवधेश सिंह, आर.पी. सिंह, ज्ञान प्रकाश सिंह, विनय कुमार शाही, अजय सिंह, अशोक सिंह और अरुण कुमार सिंह की सहभागिता रही। अपने संबोधन में धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि सनातन धर्म सेवा, संस्कार और राष्ट्रहित का मार्ग दिखाता है। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के उपदेशों को जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि गीता कर्तव्य, कर्म और नैतिकता का मार्गदर्शन करती है, जो समाज को सकारात्मक दिशा देती है।

घनश्यामपुर स्थित सामर्थ राजाराम दिव्यांग बालिका विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग बच्चों को वस्त्र और पुस्तकें वितरित की गईं। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक अजय सिंह ने सभी अतिथियों को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिससे आयोजन को व्यापक समर्थन मिला।

पत्रकारों के लिए मेदांता का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया परीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के चिकित्सकों द्वारा जौनपुर पत्रकार संघ के सभागार में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जफराबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक डॉ. हरेंद्र सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशि मोहन सिंह क्षेम एवं महामंत्री डॉ. मधुकर तिवारी ने मेदांता के चिकित्सक डॉ. हिमांशु पांडे, डॉ. नम्रता शुक्ला एवं डॉ. आर.एन. वर्मा को माल्यार्पण कर बुके व यथार्थ गीता की पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। चिकित्सकों की टीम ने शिविर में पत्रकारों का रक्तचाप, मधुमेह एवं श्वास संबंधी रोगों का परीक्षण किया और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। स्वास्थ्य जांच को लेकर पत्रकारों में खासा उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में रामदयाल द्विवेदी, अखिलेश तिवारीअकेला, प्रदीप सिंह सफायर, डॉ. भारदेंदु मिश्रा, लोलारख दुबे, राजीव पाठक, राजेश उपाध्याय, वीरेंद्र कुमार पांडेय, राजेश मिश्र, राजेश मौर्य, शशिराज सिन्हा सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे। इसके अलावा जौनपुर पत्रकार संघ की विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी भी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशि मोहन सिंह क्षेम ने की, जबकि संचालन महामंत्री डॉ. मधुकर तिवारी ने किया।

प्रेम, अनुशासन और मानव निर्माण का उत्सव

सुरेश गांधी

वाराणसी। जब आध्यात्म केवल साधना न रहकर समाज निर्माण का माध्यम बन जाए, तब उसका प्रभाव पीढ़ियों तक दिखाई देता है। अस्सी घाट के निकट अवस्थित छोटा नागपुर वाटिका में परम प्रेममय श्री श्री ठाकुर अनूकूलचंद्रजी का 138वां जन्मोत्सव इसी भाव के साथ बड़े श्रद्धा, अनुशासन और सामाजिक चेतना के वातावरण में मनाया गया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि विचार, सेवा और संस्कार का जीवंत संगम बनकर उभरा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 5 बजे वेदमांगलिकी के साथ हुआ। इसके पश्चात बाल भोग निवेदन, समवेत प्रातःकालीन प्रार्थना, भजन-कीर्तन, धर्मसभा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मातृ सम्मेलन और युवा सम्मेलन का क्रमबद्ध आयोजन हुआ। पूरा दिन ठाकुरजी

के विचारों, आदर्शों और जीवन दर्शन को आत्मसात करने का सजीव अवसर बना। कार्यक्रम का समापन सायंकालीन प्रार्थना के साथ हुआ। जौनपुर, प्रयागराज, गाजीपुर, आजमगढ़ सहित बिहार के सासाराम और छपरा से आए सहप्रतिऋत्विकों और भक्तों की सहभागिता ने आयोजन को अखिल क्षेत्रीय स्वरूप प्रदान किया। मतलब साफ है यह जन्मोत्सव यह संदेश देता है कि जब आध्यात्म सेवा, अनुशासन और विचार के साथ जुड़ता है, तब वह समाज को दिशा देता है, और यही श्री श्री ठाकुर अनूकूलचंद्रजी की स्थायी विरासत है। धर्मसभा में वक्ताओं ने आज के समय में श्री श्री ठाकुर अनूकूलचंद्रजी के विचारों की मानव निर्माण में प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि ठाकुरजी का संदेश केवल आध्यात्मिक उत्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि वह व्यक्ति के चरित्र, परिवार की संरचना और समाज की दिशा तय करता है। इस अवसर पर विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि दीक्षा के पश्चात शिक्षा ही एक स्वस्थ और सुसंस्कृत समाज का निर्माण करती है। यह विचार आज के भौतिक और भ्रमित समय में और अधिक प्रासंगिक हो जाता है, जहां मूल्य और अनुशासन की कमी समाज की बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

वक्ताओं ने ठाकुरजी की आदर्श विवाह नीति पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि विवाह केवल सामाजिक औपचारिकता नहीं, बल्कि संस्कार, जिम्मेदारी और जीवन भर के सहयोग का संकल्प है। ठाकुरजी की विवाह नीति परिवार को सुदृढ़ करती है और सामाजिक असंतुलन को रोकने में सहायक है।

जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित बृहद चिकित्सा शिविर ने कार्यक्रम को सामाजिक सेवा की मजबूत आधारशिला प्रदान की। इस शिविर में करीब 750 लोगों ने निशुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श और दवा वितरण का लाभ उठाया। ब्रॉड और सुपर स्पेशियलिटी विभागों के चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कर यह सिद्ध किया कि ठाकुरजी का प्रेम और सेवा का संदेश केवल मंच तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर उतरकर समाज की पीड़ा को समझने का माध्यम है।

समृद्धि हासिल करने के लिए भारत को अपने सांस्कृतिक मूल्यों में फिर से निवेश करना होगा : एचएम बांगुर

पटना(उत्तरशक्ति)। नवाचार, आत्मनिर्भरता और समृद्धि विषय पर आधारित दो दिवसीय वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम 2025 का औपचारिक उद्घाटन शुक्रवार को मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। उद्घाटन सत्र में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, डब्लूएचइएफ के संस्थापक स्वामी विज्ञानानंद, आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश शर्मा, हरि मोहन बांगुर, चेयरमैन, सीमेंट लिमिटेड तथा सज्जन जिंदल, चेयरमैन, जेएसडब्ल्यू ग्रुप सहित देश के प्रमुख उद्योगपति, नीति-निमार्ता, स्टार्टअप संस्थापक, बिजनेस लीडर्स और निवेशक उपस्थित रहे। उद्घाटन दिवस का एक प्रमुख आकर्षण हरि मोहन बांगुर का संबोधन रहा। इस अवसर पर उन्होंने महाराष्ट्र में 2,000 करोड़ के निवेश के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक आशय पत्र भी सौंपा। भारतीय आर्थिक चिंतन की नैतिक आधारशिला पर प्रकाश डालते हुए श्री बांगुर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में ह्लधर्म ही अर्थ का मार्गदर्शन करता हैह्व और लाभ के साथ उत्तरदायित्व का होना अनिवार्य है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आर्थिक प्रगति केवल मुनाफे तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि सामाजिक दायित्वों से भी जुड़ी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा ह्लहमें मैकाले आधारित शिक्षा प्रणाली से बाहर निकलकर अपने प्राचीन मूल्यों में पुनः निवेश करना होगा। सदियों तक विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत रही, लेकिन यूरोपीय शक्तियों के आगमन के साथ अनेक नकारात्मक घटनाएँ घटीं और देश का बड़े पैमाने पर शोषण हुआ।ह्व उन्होंने आगे कहा कि एक हिंदू इकोनॉमिक फोरम की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसका अब गठन हो चुका है और यह प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है।